संस्थापक : स्व. श्री वीर विक्रम आदित्य

हिन्द जनपथ

स्थापना वर्ष : 2002

पंचकूला
बुधवार
5 नवंबर, 2025
वर्ष:24 अंक: 132
कुल पृष्ठ:08
मूल्य : 1 रुपया

खबरें छापते हैं छुपाते नहीं | दैनिक प्रभात संस्करण हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित। | www.hindjanpath.com

गुरु तेगबहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस पर नगर कीर्तन यात्रा की तैयारियों को लेकर उपायुक्त की अध्यक्षता में बैठक आयोजित

पेज-8

मोटी-मोटी बातें

बख्शे नहीं जाएंगे प्रतिबंधित दवाओं की बिक्री करने वाले केमिस्ट : आरती सिंह राव

चंडीगढ़। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा है कि अवैध नशीली दवाओं की बिक्री से जुड़े लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि ऐसे कोई भी केमिस्ट या मेडिकल स्टोर मालिक जो प्रतिबंधित या नशीली दवाओं की बिक्री करते पाए जाएंगे, उन्हें किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को जांच करने के निर्देश दिए हैं। नशा मुक्त भारत अभियान के तहत और खाद्य एवं औषधि प्रशासन हरियाणा के आयुक्त मनोज कुमार ने स्वास्थ्य मंत्री के निर्देशों पर आगे कार्रवाई शुरू कर दी। उन्होंने बताया कि जिला सिरसा में अवैध नशीली दवाओं की बिक्री रोकने के लिए बड़े पैमाने पर छापेमारी अभियान चलाया गया। इस अभियान में 35 सीनियर ड्रग्स कंट्रोल ऑफिसर्स (SDCOs) और विभिन्न जोनों एवं जिलों से आए ड्रग्स कंट्रोल ऑफिसर्स (DCOs) ने भाग लिया। अभियान को प्रभावी बनाने के लिए 8 विशेष टीमें गठित की गई, जिन्हें उन केमिस्ट दुकानों पर अचानक निरीक्षण करने का कार्य सौंपा गया जहाँ पर साइकोट्रोपिक / दोहरे उपयोग वाली दवाओं के दुरुपयोग की आशंका थी। इस छापेमारी की प्रत्यक्ष निगरानी राज्य ड्रग्स कंट्रोलर लालित कुमार गोयल ने की। उनके साथ खाद्य एवं औषधि प्रशासन मुख्यालय से तीन असिस्टेंट स्टेट ड्रग्स कंट्रोलर्स परविंदर सिंह, करण सिंह गोदारा और राकेश दहिया भी उपस्थित रहे।

छापेमारी अभियान सिरसा जिले के कई क्षेत्रों जैसे कालांवाली, बडागुढ़ा, डबवाली, रानियां, ऐलनाबाद और सिरसा शहर में एक साथ चलाया गया। निरीक्षण कल सुबह 11:30 बजे शुरू होकर शाम 6:00 बजे तक जारी रहा। इस अभियान के दौरान 67 मेडिकल दुकानों का निरीक्षण किया गया। इसी प्रकार 16 दुकानें रिकॉर्ड प्रस्तुत न करने और अन्य उल्लंघन पाए जाने पर सील की गई।

भारत तेजी से बढ़ती विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था: राष्ट्रपति मुर्मु

नैनीताल- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा है कि देश की अर्थव्यवस्था विश्व में तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है और यह निरंतर प्रगति करे, इसके लिए केन्द्र सरकार कई नीतिगत कदम उठा रही है।

श्रीमती मुर्मु ने कुमाऊं विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए मंगलवार को कहा कि सरकार के कदमों से युवाओं के लिये भी अनेक अवसर उपलब्ध हो रहे हैं। उन्होंने युवाओं से कहा कि इन अवसरों का लाभ उठायें। उन्होंने कहा कि देश के उच्च शिक्षण संस्थानों में शोध, नवाचार और उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के साथ ही युवाओं के प्रशिक्षण के लिये भी समुचित कदम उठाये जाने चाहिए, ताकि युवा उनका भरपूर उपयोग कर सकें।

दर्दनाक रेल हादसा... बिलासपुर में मालगाड़ी के ऊपर चढ़ी पैसेंजर, 6 यात्रियों की मौत

बिलासपुर- छत्तीसगढ़ के बिलासपुर रेलवे स्टेशन के करीब एक यात्री ट्रेन मालगाड़ी से टकरा गई। इस घटना में तीन यात्री घायल हुए हैं। रेल विभाग के अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि एक लोकल यात्री ट्रेन आज कोरबा जिले के गेवरा रेलवे स्टेशन से बिलासपुर के लिए रवाना हुई थी। जब गाड़ी आज शाम लगभग चार बजे गतौरा और बिलासपुर रेलवे स्टेशन के मध्य में थी।

इसी दौरान यात्री गाड़ी ने एक मालगाड़ी को पीछे से टक्कर मार दी। इस घटना में 3 लोगों के घायल होने की जानकारी मिली है। घटना की सूचना मिलने के बाद रेल विभाग के अधिकारी और कर्मचारी घटनास्थल के लिए रवाना हुए तथा राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया। घायलों को अस्पताल को भेजा गया है और इस संबंध में अधिक जानकारी ली जा रही है।

तेजस्वी यादव का बड़ा ऐलान, कहा- महिलाओं को मिलेंगे 30,000 रुपये 'माई बहिन योजना' के तहत

पटना- बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान से दो दिन पहले मुख्यमंत्री पद के लिए महागठबंधन के उम्मीदवार तेजस्वी यादव ने मंगलवार को कहा कि अगर महागठबंधन की सरकार बनती है तो 'माई बहिन योजना' के तहत एक वर्ष की पूरी राशि के रूप में 30,000 रुपये सीधे महिलाओं के बैंक खातों में भेजे जाएंगे।

उन्होंने कहा कि सरकार बनने के बाद 14 जनवरी को हमारी सरकार एक साल का पूरा पैसा माता-बहनों के खाते में भेज देगी। यह हमारी बहनों के सशक्तीकरण की दिशा में पहला कदम होगा। यह योजना राज्य की महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से शुरू की जाएगी और लाभार्थियों को किसी भी प्रकार की जटिल प्रक्रिया से नहीं गुजरना पड़ेगा।

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता यादव ने यह घोषणा भी की कि किसानों को धान पर प्रति क्विंटल 300 रुपये और गेहूं पर प्रति क्विंटल 400 रुपये एमएसपी बोनस के रूप में दिए जाएंगे। किसानों के बिजली बिल भी पूरी तरह माफ किए जाएंगे। फिलहाल किसानों को 55 पैसे प्रति यूनिट की दर से बिजली बिल चुकाना पड़ता है।

उन्होंने कहा कि सभी प्राथमिक कृषि ऋण समितियों और प्राथमिक विपणन सहकारी समितियों के अध्यक्षों को जनप्रतिनिधि का दर्जा दिया जाएगा, ताकि ग्रामीण स्तर से किसानों की आवाज सीधे सरकार तक पहुंच सके।

कोयंबटूर में 20 वर्षीय छात्रा से गैंगरेप के आरोप में तीन आरोपी गिरफ्तार, मुठभेड़ में लगी गोली

कोयंबटूर (तमिलनाडु)- कोयंबटूर पुलिस ने शहर के उपनगर में 20 वर्षीय कॉलेज छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म के आरोप में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस आयुक्त सरवणा सुंदर ने मंगलवार को इसकी पुष्टि की।

पुलिस के अनुसार, आरोपी गुना, करुप्पसामी और कार्तिक उर्फ कलीश्वरन पुलिस मुठभेड़ के दौरान भागने की कोशिश में घायल हो गए। तीनों को पैर में गोली लगी, जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए कोयंबटूर सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मुठभेड़ के दौरान एक हेड कॉन्स्टेबल भी घायल हुआ।

घटना रविवार रात की बताई जा रही है, जब पीड़िता अपने मित्र के साथ कोयंबटूर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास मौजूद थी। तभी तीनों आरोपी वहां पहुंचे और दोनों पर हमला कर दिया। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों ने पीड़िता के दोस्त को बुरी तरह पीटा और छात्रा का अपहरण कर लिया। बाद में उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म करने के बाद उसे वहीं छोड़कर फरार हो गए। होश में आने के बाद पीड़िता के मित्र ने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद बचाव अभियान शुरू हुआ। भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष वनाति श्रीनिवासन ने घटनास्थल का दौरा किया और पुलिस की लापरवाही पर नाराजगी जताई।

नौवें पातशाह श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस को समर्पित कार्यक्रम

लाइट एंड साउंड शो ने श्री गुरु तेग बहादुर जी के अद्वितीय बलिदान और महान दर्शन पर डाली रोशनी

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार द्वारा नौवें पातशाह श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस को समर्पित आयोजनों की श्रृंखला के अंतर्गत मंगलवार को जालंधर, फतेहगढ़ साहिब, पठानकोट और पटियाला में लाइट एंड साउंड शो आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में राज्य के कैबिनेट मंत्रियों, विधायकों और नेताओं ने बड़ी संख्या में संगत के साथ भाग लिया।

एक प्रवक्ता ने बताया कि फतेहगढ़ साहिब के खेल स्टेडियम माधोपुर में पर्यटन और सांस्कृतिक मामलों के मंत्री तरुनप्रीत सिंह सौंद ने उपस्थिति दर्ज कराई। इसके अलावा जालंधर के गुरु गोबिंद सिंह स्टेडियम में रक्षा सेवाएं कल्याण, स्वतंत्रता सेनानी एवं बागवानी मंत्री मोहिंदर भगत और पर्यटन एवं सांस्कृतिक मामलों के सलाहकार दीपक बाली ने संगत के साथ श्री गुरु तेग बहादुर जी के अतुलनीय बलिदान और महान दर्शन पर प्रकाश डालते लाइट एंड साउंड शो का अवलोकन किया। वहीं पठानकोट के लमीनी स्टेडियम में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री लालचंद कटारूचक और पटियाला के पोलो ग्राउंड में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने कार्यक्रम में शिरकत की। सभी स्थानों पर संगत ने इस पहल की सराहना की और पूरे आदर, श्रद्धा एवं सम्मान के साथ शो देखा। लाइट एंड साउंड शो में आधुनिक लेज़र लाइटों और 3डी प्रोजेक्शन के माध्यम से गुरु तेग बहादुर जी के जीवन काल, दर्शन, शिक्षाओं और धर्म की रक्षा के लिए दी गई उनकी अतुलनीय शहादत को प्रदर्शित किया गया। पंजाब सरकार की ओर से ये लाइट एंड साउंड शो राज्य के सभी 23 जिलों में आयोजित किए जा रहे हैं, जो 20 नवम्बर तक जारी रहेंगे।

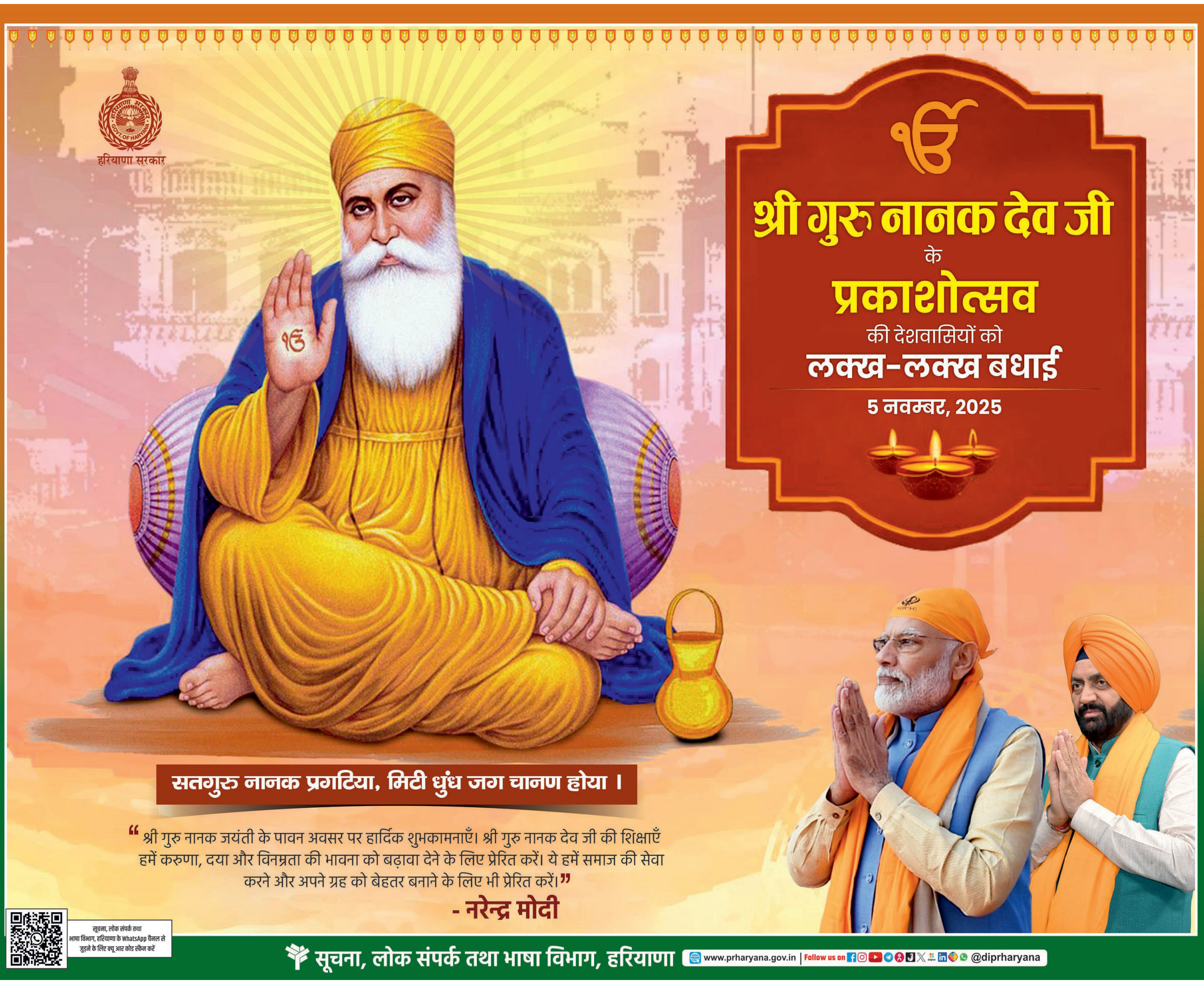

मुख्यमंत्री ने 66 पैट्रोलिंग वाहनों को हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना

चिट्टे के खिलाफ प्रदेशभर में शुरू किया जाएगा बड़ा अभियानः मुख्यमंत्री

30 करोड़ रुपये से हमीरपुर में स्थापित होगा अत्याधुनिक सड़क सुरक्षा नियंत्रण एवं कमांड सेंटर

शिमला । मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने आज चौड़ा मैदान, शिमला से 66 पैट्रोलिंग वाहनों को रवाना किया। ये सुरक्षा वाहन प्रदेश के 10 जिलों शिमला, मण्डी, कांगड़ा, हमीरपुर, ऊना, बिलासपुर, कुल्लू, सिरमौर, सोलन और चंबा के विभिन्न पुलिस थानों में तैनात किए जा रहे हैं। 18.42 करोड़ की लागत से खरीदे गए इन वाहनों में 35 इलैक्ट्रिक वाहन, 14 इंटसेप्टर वाहन, 10 रैकर वाहन तथा 7 डब्ल्यूडी डीजल वाहन शामिल हैं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान प्रदेश सरकार का लक्ष्य न केवल सड़क दुर्घटनाओं को कम करना है बल्कि प्रदेश की जनता के लिए सुरक्षित एवं आपदा प्रतिरोधी यातायात प्रणाली विकसित करना भी है। उन्होंने कहा कि पिछले तीन वर्षों में सड़क दुर्घटनाओं में लगातार गिरावट दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि यह सकारात्मक परिवर्तन पुलिस, परिवहन विभाग, लोक निर्माण विभाग, हिमाचल प्रदेश सड़क एवं अधोसंरचना विकास निगम, स्वास्थ्य विभाग तथा अन्य संबंधित एजेंसियों के संयुक्त प्रयासों से ही संभव हो पाया है। उन्होंने कहा कि रैकर वाहनों की तैनाती से दुर्घटनाओं के पश्चात वाहनों को शीघ्र हटाकर सड़कों पर यातायात शीघ्र सामान्य करने में मदद मिलेगी।

ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि शीघ्र ही सरकार द्वारा हमीरपुर में लगभग 30 करोड़ रुपये की लागत से समेकित सड़क सुरक्षा प्रवर्तन प्रणाली के तहत एक अत्याधुनिक सड़क सुरक्षा नियंत्रण एवं कमांड सेंटर स्थापित किया जाएगा, जो प्रदेश भर में लगाए जा रहे आधुनिक कैमरों से जुड़ा होगा। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग द्वारा इस प्रणाली का उपयोग ई-चालान, यातायात की निगरानी एवं सड़कों पर अनुशासन और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह केन्द्र न केवल सड़क सुरक्षा को मजबूती प्रदान करेगा बल्कि राज्य के लिए अतिरिक्त राजस्व सृजित करने में सहायक होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमाचल प्रदेश स्टेट रोड़ ट्रांसफोर्मेशन परियोजना के अन्तर्गत प्रदेश में सड़क सुरक्षा में अनेक सुधारात्मक पग उठाए जा रहे हैं उन्होंने कहा कि परियोजना के तहत पुलिस विभाग के लिए 3373 सड़क सुरक्षा प्रवर्तन उपकरणों की खरीद के लिए लगभग 60 करोड़ व्यय किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन उपकरणों को राज्य के 10 जिलों में वितरित किया जाएगा, जिससे प्रदेश में सड़क सुरक्षा व्यवस्था और सुदृढ़ होगी।

उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग को अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस किया जाएगा ताकि हिमाचल प्रदेश की पुलिस को देश में नम्बर एक बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग में 1200 कांस्टेबलों की भर्ती की गई है तथा आठ साल बाद राज्य सरकार द्वारा पुलिस प्रमोशन के लिए बी-1 टैस्ट करवाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग चिट्टे के नशे की रोकथाम के लिए प्रदेश भर में सराहनीय कार्य कर रहा है। प्रदेश भर में चिट्टे के खिलाफ बड़ा अभियान शुरू करने जा रहा है। इस अवसर पर लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह, उपाध्यक्ष राज्य योजना बोर्ड भवानी सिंह पठानिया, विधायक संजय अवस्थी, नीरज नैयर तथा विवेक शर्मा, अतिरिक्त मुख्य सचिव के.के.पंत, पुलिस महानिदेशक अशोक तिवारी तथा अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

उपायुक्त हेमराज बैरवा ने किया 40वीं राज्य स्तरीय अंडर-14 एथलेटिक्स प्रतियोगिता का शुभारंभ

एथलेटिक्स प्रतियोगिता में प्रदेशभर से 450 खिलाड़ी ले रहे हैं भाग

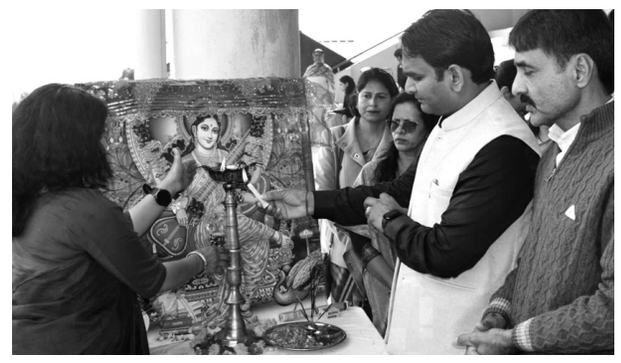

धर्मशाला । उपायुक्त कांगड़ा हेमराज बैरवा ने आज यहां सिंथेटिक एथलैटिक्स ट्रैक मैदान धर्मशाला में दीप प्रज्वलित कर हिमाचल स्कूल खेल संगठन एवं स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित 40वीं राज्य स्तरीय अंडर-14 वार्षिक एथलेटिक्स प्रतियोगिता का विधिवत शुभारंभ किया। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना और ध्वजारोहण के साथ हुई। इस अवसर पर उपायुक्त हेमराज बैरवा ने कहा कि धर्मशाला को इस महत्वपूर्ण प्रतियोगिता की मेजबानी करने का अवसर मिलना गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी जिलों से आए बच्चे न केवल अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे बल्कि उन्हें इस क्षेत्र की संस्कृति और प्राकृतिक सौंदर्य को भी देखने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि ऐसे खेल आयोजनों से बच्चों का सर्वांगीण विकास होता है। केवल किताबी शिक्षा पर्याप्त नहीं होती, बल्कि खेल बच्चों में अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता विकसित करते हैं। यह प्रतियोगिताएं न केवल राज्य स्तर पर प्रतिभाओं को निखारने का अवसर देते हैं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर नई प्रतिभाओं की पहचान करने में भी सहायक होती हैं।

उन्होंने कहा कि खेल अब जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा बन चुके हैं और यह आवश्यक है कि स्कूली शिक्षा के पाठ्यक्रम में खेल गतिविधियों को प्रमुखता दी जाए, ताकि बच्चे अपनी पढ़ाई के साथ-साथ रचनात्मक और शारीरिक रूप से सक्रिय बने रहें।इस प्रतियोगिता में प्रदेश के सभी 12 जिलों से लगभग 450 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। प्रतियोगिता 4 से 7 नवम्बर 2025 तक चार दिनों तक चलेगी, जिसमें प्रारंभिक दो दिन लड़कों की स्पर्धाएं तथा अगले दो दिन लड़कियों की स्पर्धाएं आयोजित होंगी। स्पर्धाओं में शॉट पुट, डिस्कस थ्रो, 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर, 4म400 मीटर रिले दौड़, हाई जंप, लांग जंप और कुरैश प्रतियोगिता शामिल हैं।

इस अवसर पर सुरेंद्र शर्मा, टेक्निकल असिस्टेंट, शिमलाय अजय संब्याल, डिप्टी डायरेक्टर, स्कूल एजुकेशन जिला चंबाय यशपाल मनकोटिया, प्रधानाचार्य राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला बॉयज धर्मशाला (प्रबंधक सचिव) सहित सभी जिलों के एडीपीईओ और जिला खेल प्रभारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गईं, जिनमें विद्यार्थियों ने खेल भावना, एकता और अनुशासन का संदेश दिया।

सोलन ज़िला में लगाई जाएगी स्वतंत्रता सेनानियों की जीवनी पर आधारित प्रदर्शनी

सोलन। उपायुक्त सोलन मनमोहन शर्मा ने कहा कि ज़िला प्रशासन तथा हिमाचल फोटो गैलरी ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में सोलन में स्वतंत्रता सेनानियों की जीवनी पर आधारित प्रदर्शनी लगाई जाएगी। मनमोहन शर्मा ने कहा कि यह प्रदर्शनी सोलन ज़िला के नगर निगम सोलन के हॉल में 27, 28 व 29 नवम्बर, 2025 को लगाई जाएगी।

उपायुक्त ने कहा कि इस प्रदर्शनी में हिमाचल विशेषकर सोलन ज़िला के स्वतंत्रता सेनानियों के स्वतंत्रता संग्राम में योगदान, इतिहास और बलिदान के विषय में जानकारी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनी का उद्देश्य युवाओं में देशभक्ति और राष्ट्र प्रेम को बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनी में पझौता के स्वतंत्रता सेनानियों और प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री स्व. डॉ. वाई.एस. परमार की जीवनी को भी प्रदर्शित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनी को देखने के लिए स्कूल व महाविद्यालय के विद्यार्थियों व शिक्षकों को बुलाया जाएगा ताकि वह हिमाचल तथा सोलन के स्वतंत्रता सेनानियों के स्वतंत्रता संग्राम में दिए गए योगदान से रू-ब-रू हो सके।

कुलदीप पठानियां ने दी गुरू नानक देव जयंती की बधाई

शिमला । हिमाचल प्रदेश विधान सभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानियां ने सिख धर्म के संस्थापक गुरू नानक देव जयंती की प्रदेश तथा देशवासियों को हार्दिक बधाई दी है। अपने बधाई सन्देश में पठानियां ने कहा कि गुरू नानक देव ने समाज में व्याप्त कुरीतियों और भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाई तथा जातिवाद, धर्म आधारित भेदभाव, मूर्ति पूजा और अंधविश्वास के खिलाफ संघर्ष किया। उनका मानना था कि भगवान एक है और सभी लोग समान हैं। उनका प्रसिद्व मंत्र ÷एक औंकारा÷ (ईश्वर एक है)ने ही इस सिंख धर्म की नींव रखी थी। पठानियां ने कहा कि कार्तिक पूर्णिमा के दिन 1469 को तलवंडी नामक स्थान जो अब पाकिस्तान के ननकाना साहिब में स्थित है में जन्में गुरू नानक देव जी के विचार और उपदेश आज भी लाखों लोगों को प्रेरित करते हैं। हर साल उनके जन्म दिवस को गुरू नानक देव जी की जयंती के रूप में मनाया जाता है जो विशेष रूप से सिख धर्मावलम्बियों के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण दिन होता है। पठानियां ने कहा कि सिख समुदाय को भारत में चौथी सबसे बड़ी आबादी माना जाता है जबकि दुनियां की बात करें तो यह नौंवी सबसे बड़ी आबादी हे। इस प्रकार गुरू नानक जयंती एक ऐसा त्यौहार है जो दुनियां भर में व्यापक रूप से मनाया जाता है। पठानियां ने कहा कि गुरू नानक देव का संदेश आज भी प्रासंगिक है तथा उनका प्रकाश हर दिल में जीवित है। विधान सभा उपाध्यक्ष विनय कुमार ने भी सभी प्रदेश तथा देशवासियों को गुरू नानक देव जयंती की बधाई दी है।

विधान सभा का शीतकालीन सत्र 26 नवम्बर से 05 दिसम्बर तक : कुलदीप पठानियां

शिमला । हिमाचल प्रदेश विधान सभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानियां ने कहा कि हिमाचल प्रदेश विधान सभा का दशम एवं शीतकालीन सत्र 26 नवम्बर से 05 दिसम्बर, 2025 तक धर्मशाला, तपोवन विधान सभा में आयोजित किया जाएगा। इस सत्र में कुल 08 बैठकें आयोजित की जाएँगी। पठानियां ने कहा कि राज्यपाल महोदय की संस्तुती के उपरान्त विधान सभा सचिवालय द्वारा आज इसकी अधिसूचना जारी कर दी गई है।

उन्होने कहा कि अधिसूचना जारी होने के साथ ही माननीय सदस्य अब अपने- अपने निर्वाचन क्षेत्रों से सम्बन्धित सूचनाएँ ऑन लाईन तथा ऑफ लाईन विधान सभा सचिवालय को भेज सकते हैं। पठानियां ने कहा कि 26 नवम्बर को सत्र का शुभारम्भ पूर्वाह्न 11ः00 बजे होगा तथा प्रथम दिन शोकोदगार होंगे। इस शीतकालीन सत्र में कुल 08 बैठकें होंगी जिसमें 04 दिसम्बर,2025 का एक दिन गैर सरकारी सदस्य कार्य दिवस के लिए निर्धारित किया गया है। पठानियां ने कहा कि 29 व 30 नवम्बर को बैठकें नहीं होगी। पठानियां ने कहा कि धर्मशाला तपोवन में आयोजित किया जाने वाला यह अब तक का सबसे बडा सत्र है जिसमें 8 बैठकें आयोजित की जाएँगी।

गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा प्रदान करना प्रदेश सरकार का लक्ष्यः मुख्यमंत्री

खाली भवनों के सर्वोत्तम उपयोग के दिए निर्देश

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा है कि राज्य में विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा प्रदान करना प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि बाजार की मांग के अनुरूप विद्यार्थियों को कुशल बनाया जा रहा है इससे उनके रोजगार की क्षमता बढ़ेगी।

मुख्यमंत्री ने आज यहां तकनीकी शिक्षा विभाग की कार्य प्रणाली की समीक्षा करते हुए खाली भवनों की स्थिति पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि वर्ष, 2018 से 2023 के बीच 126.45 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित सात भवन खाली पड़े हैं। उन्होंने विभाग को जनहित में इन भवनों के सर्वोत्तम उपयोग के लिए एक कार्य योजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि केवल निर्माण के नाम पर सरकारी धन की बर्बादी अस्वीकार्य है। ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने तकनीकी शिक्षा विभाग को औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों और पॉलिटेक्निक कॉलेजों को छात्रों के नामांकन, समग्र प्रदर्शन और इन संस्थानों में उपलब्ध अन्य सुविधाओं के आधार पर ग्रेड प्रदान करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए तकनीकी शिक्षा विभाग को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रदेश सरकार तकनीकी शैक्षणिक संस्थानों में रिक्त पड़े पदों को भरेगी और इन संस्थानों को हर संभव सहायता भी प्रदान की जाएगी।

सी.एस.एस.आर. प्रतियोगिता में 14वीं वाहिनी, एन.डी.आर.एफ. नूरपुर अव्वल रही

शिमला। 14वीं वाहिनी, एन.डी.आर.एफ. नूरपुर द्वारा आयोजित सी.एस.एस.आर प्रतियोगिता 2025 के समापन समारोह की अध्यक्षता आज कमांडेंट, 14वीं वाहिनी एन.डी.आर.एफ. बलजिन्दर सिंह ने की। मुख्य अतिथि ने विजेता खिलाड़ियों को पदक, ट्रॉफी एवं प्रमाणपत्र प्रदान किए। प्रतियोगिता में 14वीं वाहिनी, एन.डी.आर.एफ. नूरपुर ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। उन्होंने टीमों को बधाई देते हुए कहा गया कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं एन.डी.आर.एफ. के कर्मियों की दक्षता, त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता और आपदा प्रबंधन कौशल को और अधिक सुदृढ़ करती हैं।इस वर्ष की प्रतियोगिता में 7वीं, 13वीं, 14वीं तथा 15वीं वाहिनी एन.डी.आर.एफ. की टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिताओं में जवानों ने अपनी श्रेष्ठता का परिचय दिया और उत्कृष्ट कार्य कुशलता का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के दौरान टीमों में कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली, जिसने प्रतियोगिता को अत्यंत रोमांचक बना दिया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य आपदा प्रबंधन अभियानों के दौरान प्रयुक्त उपकरणों के कुशल उपयोग, टीम भावना, तकनीकी दक्षता तथा आपातकालीन प्रतिक्रिया क्षमता का परीक्षण एवं संवर्द्धन करना था।

एन.डी.एम.ए. के विशेषज्ञों के साथ जिला कांगड़ा में आयोजित हुई पी.डी.एन.ए. की बैठक

धर्मशाला । मानसून 2025 के दौरान जिला कांगड़ा में हुई प्राकृतिक आपदाओं से हुए नुकसान और राहत कार्यों की समीक्षा के उद्देश्य से पोस्ट डिजास्टर नीड्स असेसमेंट (पीडीएनए-2025) के तहत राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की विशेषज्ञ टीम के साथ आज एक महत्वपूर्ण बैठक डीसी कार्यालय धर्मशाला के एनआईसी के सभागार में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी (एडीएम) शिल्पी बेक्टा ने की।

बैठक के दौरान विभिन्न विभागाध्यक्षों ने वर्ष 2025 के मानसून के दौरान हुए नुकसानों की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। एडीएम शिल्पी बेक्टा ने बताया कि मानसून

के दौरान जिला में विभिन्न स्थानों पर प्राकृतिक आपदा के कारण 773 लोगों को विभिन्न स्थानों से सुरक्षित निकाला गया तथा 28 मानव जीवनों एवं 544 पशुओं की हानि दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि प्राकृतिक आपदा के कारण 1,857 से अधिक मकानों व गौशालाओं को आंशिक या पूर्ण क्षति हुई है। इसके अलावा अनुसार सड़कों को हुए नुकसान की अनुमानित लागत 350 करोड़ से अधिक आँकी गई है जबकि जल शक्ति विभाग द्वारा रिपोर्ट की गई कुल क्षति 261 करोड़ रुपये से अधिक रही है। उन्होंने बताया कि कृषि क्षेत्र में लगभग 863 हेक्टेयर फसलें प्रभावित हुईं, जिससे 316 लाख रुपये से अधिक की क्षति का अनुमान है इसके अलावा बागवानी, शिक्षा और स्वास्थ्य विभागों द्वारा क्रमशः 207 लाख रुपये, 716 लाख रुपये और 591 लाख रुपये की क्षति दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग-503 पर हुए नुकसान का अनुमान लगभग 15 रुपये करोड़ आंका गया है। शिल्पी बेकटा ने सभी विभागाध्यक्षों को निर्देश दिए कि वे वर्ष 2025 की आपदा से संबंधित सभी अद्यतन आँकड़े निर्धारित पोर्टल पर शीघ्र अपलोड करें, ताकि एक समग्र व सटीक रिपोर्ट राज्य व केंद्र सरकार को प्रस्तुत की जा सके।

मुख्यमंत्री ने मत्स्य उत्पादन बढ़ाने के लिए विभाग को आधुनिक तकनीक अपनाने के निर्देश दिए

शिमला । मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने आज यहां मत्स्य पालन विभाग की बैठक की अध्यक्षता करते हुए विभाग को मत्स्य उत्पादन की शेल्फ लाइफ बढ़ाने के लिए आधुनिक तकनीक अपनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस व्यवसाय से जुड़े किसानों को लाभान्वित करने के लिए राज्य की नदियों और जलाशयों के किनारे नई हैचरी और कोल्ड स्टोर स्थापित करेगी। उन्होंने विभाग को राज्य भर में नए कोल्ड स्टोर स्थापित करने के लिए उपयुक्त भूमि की पहचान करने के निर्देश दिए।

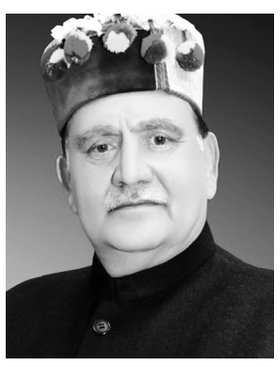

ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दे रही है और इसमें मत्स्य पालन क्षेत्र की महत्त्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने मत्स्य पालन विभाग को किसानों की आय बढ़ाने के लिए उन्हें आधुनिक तकनीक और सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए। राज्य सरकार मत्स्य पालन से संबंधित विभिन्न उपकरणों की खरीद पर भी सब्सिडी देकर किसानों को सहायता प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि विभाग मत्स्य पालन किसानों को आधुनिक पद्धतियों, उन्नत बीज किस्मों और नवीन तकनीकों के बारे में जानकारी प्रदान करने के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करेगा, ताकि वे इस क्षेत्र में हो रही प्रगति का लाभ उठा सकें। मुख्यमंत्री ने किसानों की आय बढ़ाने के लिए अगले सीज़न से राज्य भर के बांधों और जलाशयों में मछली बीज भंडारण बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने विभाग को इस कार्य के लिए व्यापक स्तर पर तैयारी करने और अगले वर्ष के लिए बीज आवश्यकताओं का आकलन करने के निर्देश दिए। ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि राज्य में मत्स्य उत्पादन बढ़ रहा है। वित्त वर्ष 2024-25 में 19,019 मीट्रिक टन मत्स्य उत्पादन दर्ज किया गया, जबकि इस वर्ष अक्तूबर माह तक 7773 मीट्रिक टन मत्स्य उत्पादन हुआ है।

विकास की राह पर शाहपुर — धारकण्डी क्षेत्र के लिए वरदान बनेगी शाहपुर-बोह सड़क : केवल सिंह पठानिया

शाहपुर । शाहपुर के विधायक एवं उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने आज बासा में 18 करोड़ रुपये की लागत से निर्माणाधीन शाहपुरङ्बोह सड़क के कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने लोक निर्माण विभाग द्वारा करवाए जा रहे कार्य की गुणवत्ता पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि सड़क निर्माण कार्य उत्कृष्ट स्तर पर किया जा रहा है। विधायक ने बताया कि उन्होंने आज तीन स्थानों पर सड़क की गुणवत्ता की जांच की है और हर स्थान पर कार्य मानकों के अनुरूप पाया गया। उन्होंने कहा कि इस परियोजना के लिए धनराशि उपलब्ध करवाने हेतु वे मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू के आभारी हैं।

श्री पठानिया ने कहा कि यह सड़क धारकण्डी क्षेत्र की सात पंचायतों के लिए एक वरदान सिद्ध होगी। सड़क के पूर्ण होने से क्षेत्र में आवागमन सुगम होगा तथा पर्यटन विकास को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने कहा कि लोक निर्माण विभाग द्वारा गुणवत्तापूर्ण कार्य करवाया जा रहा है, जिसके लिए विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी बधाई के पात्र हैं। उन्होंने विभाग को कार्य इसी गुणवत्ता के साथ निर्धारित समयसीमा में पूरा करने के निर्देश भी दिए।

राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने गुरु नानक जयंती पर लोगों को बधाई दी

शिमला। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल और मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने गुरु नानक जयंती के पावन अवसर पर प्रदेशवासियों, विशेषकर सिख समुदाय के लोगों को शुभकामनाएं दीं। राज्यपाल ने कहा कि गुरु पर्व सिखों का सबसे पवित्र त्योहार है। सिखों के प्रथम गुरु, श्री गुरु नानक देव जी के जन्मदिवस पर यह पर्व मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि हमें समृद्ध और शांतिपूर्ण जीवन जीने के लिए उनके दिखाए मार्ग पर चलना चाहिए। अपने शुभकामना संदेश में, मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री गुरु नानक देव जी ने विश्व बंधुत्व के बंधन को मजबूत करने के लिए प्रेम, शांति, सांप्रदायिक सद्भाव और निःस्वार्थ सेवा का उपदेश दिया।

आवश्यक सूचना

ब्पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में पूरी तरह जांच पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता। समाचार पत्र उपरोक्त विज्ञापनों के बारे में किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

HIMACHAL PRADESH
RURAL DEVELOPMENT & PANCHAYATI RAJ DEPARTMENT

NOTICE INVITING TENDERS

Sealed item rate tenders are hereby invited by the Assistant Engineer (Dev) Nalagarh Block Development office Nalagarh on behalf of the Secretary Zila Parishad Solan Distt. Solan from the approved/eligible contractors registered in HPPWD/I&PH Deptt. for the following works, so as to reach in this office on Dt 11.11.2025 up to 3.00 PM and shall be opened on the same day at 3.30 PM in the presence of intending contractors or their authorized representative who may like to be present. The tender form can be had from this office against cash payment (non-refundable) up to 11.00 AM on Dt 11.11.2025 . The tender form will be issued to the contractor giving proof of sale tax clearance certificate, work done certificate proof of machinery etc.

The earnest money in the shape of NSC/Time Deposit account/saving account in any of the post offices in HP duly pledged in the name of Sectary Zila parishad Solan Distt. Solan must be accompanied with the application, conditional tender and tender received without earnest money will be rejected. The undersigned reserves the right to keep the tender open for 120 days. The Assistant Engineer reserves the right to reject any or all tenders without assigning the reason. If there happens to be any holiday the same will be opened on the next working day.

Sr. No.	Name of Work	Tender Cost (Rs.)	Earnest money (Rs.)	Time Limit	Cost of Form
1.	Fabrication and Installation ofKiosk (Segregation Bin) in 20 GPforPlastic Waste Collection inDevelopment Block Kunihar Distt Solan H.P.) Darla,2)Bhumti,3)Dhundhan,4)Kayarad,5) Bagga Karog, 6)Mangal, 7)Dadhoghi,8)Devra, 9) Palog,10) H/Badog, 11) Bakhalag,12)Sarli 13)Badog 14)Navgaon ,15) Sanyadi Mode,16) Briyali 17)Mangoo 18) Sewda Chandi, 19) Kothi 20) Sanan.	9,15,455.00	20,000.00	03 month	1000/-

1. The tender documents shall be issued to only those contractors/forms who possess valid H.P. Sales Tax Registration under H.P. state Sales Tax ACT 1968 and production of copy of the same N.O.C. from the Excise and Taxation Department.
2. If any date mentioned above happens to be local/gazette holiday, the same shall be processed on next day.
3. The earnest money for above cited work should be submitted with the application for purchase of tender form.
4. The contractor/Firms are requested to insert the rate of each item in words as well as in figure/failing which Assistant Engineer reserve the right to accept/reject any or all tenders.

Assistant Engineer,
RD&PR Department,
Dev. Block Nalagarh

R.No. 4164/2025-2026

RNI NO: HARHIN/2002/08034, Postal Regd No. HR/AB/54/23-25, स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक एकान्ति राय गर्ग द्वारा जनपथ पब्लिशर्स, बूथ नं.: 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8, पंचकूला से प्रकाशित। **सम्पादकः- एकान्ति रॉय गर्ग,** मुख्य कार्यालयः बूथ नंः 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8 पंचकूला-134109(हरियाणा)। मो.: 9915606900, email : hindjanpath@gmail.com, argarg1610@gmail.com ।

न्यूज डायरी

गुरु नानक के संदेश किरत करो, नाम जपो, वंड छको को अपनाना जरूरी : प्राचार्य डॉ. जसविंदर सिंह

खालसा कॉलेज ने महान नगर कीर्तन के दौरान पौधों और फलों का लंगर वितरित किया

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। श्री गुरु गोबिंद सिंह कॉलेज, सेक्टर 26 ने गुरमत विचार सभा द्वारा श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में आयोजित महान नगर कीर्तन के दौरान पौधों और फलों का लंगर वितरित किया। प्राचार्य डॉ. जसविंदर सिंह ने संकाय सदस्यों और विद्यार्थी स्वयंसेवकों के साथ मिलकर सेवा और पर्यावरण चेतना की भावना में एकजुट होकर, गुरु नानक देव जी का सरबत दा भला का सन्देश फैलाया।

श्री गुरु नानक देव जी की शिक्षाओं पर बोलते हुए उन्होंने सत्य, विनम्रता, समानता और सेवा के मूल्यों पर जोर दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को गुरु के संदेश किरत करो, नाम जपो, वंड छको को अपने जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया। यह पहल सरबत दा भला और पर्यावरणीय जिम्मेदारी की भावना का सुंदर प्रतिबिंब थी।

बजाज फाइनेंस ने फेस्टिव लोन वॉल्युम में 27 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की

हिन्द जनपथ
अम्बाला (ब्यूरो)। भारत की सबसे बड़ी निजी क्षेत्र की नॉन-बैंकिंग वित्तीय संस्था और बजाज फिनसर्व समूह का हिस्सा, बजाज फाइनेंस लिमिटेड ने कहा कि इस फेस्टिव सीजन में उपभोक्ता कर्ज की मांग में तेज वृद्धि दर्ज की गई है। कंपनी ने पिछले वर्ष की तुलना में 27% अधिक संख्या में और 29% अधिक मूल्य के उपभोक्ता कर्ज वितरित किए हैं।उपभोक्ता वस्तुओं के लिए लिए गए इन कर्ज में बढ़ोतरी सरकार के अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों और व्यक्तिगत आयकर दरों में किए गए बदलावों का सकारात्मक परिणाम है, जिनका उद्देश्य उपभोक्ताओं की क्रय शक्ति बढ़ाना रहा है।बजाज फाइनेंस ने 22 सितंबर से 26 अक्टूबर 2025 के बीच लगभग 63 लाख कर्ज वितरित किए। इस अवधि में कंपनी ने 23 लाख नए ग्राहक जोड़े, जिनमें से 52% न्यू-टू-क्रेडिट (पहली बार कर्ज लेने वाले) थे, जिससे वित्तीय समावेशन को व्यापकता मिली।बजाज फाइनेंस के चेयरमैन संजीव बजाज ने कहा, "सरकार के नेक्स्ट जनरेशन जीएसटी सुधारों और आयकर की दरों में बदलावों ने भारत की उपभोग-आधारित विकास कहानी को नई ऊर्जा दी है। इन कदमों से रोजमर्रा की वस्तुएं अधिक सुलभ हुई हैं, जिससे लाखों मध्यम और निम्न आय वर्गीय परिवार आत्मविश्वास के साथ त्योहारी खरीदारी कर सके हैं। यह असर केवल 27% अधिक उपभोक्ता कर्ज वितरण में ही नहीं दिखा, बल्कि उपभोक्ताओं के बेहतर जीवनशैली के लिए उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों की ओर झुकाव में भी देखा गया।उन्होंने आगे कहा, "इस त्योहारी सीजन में हमारे आधे से अधिक नए ग्राहक न्यू-टू-क्रेडिट हैं, जिन्होंने पहली बार औपचारिक वित्तीय प्रणाली से कर्ज लिया है। बजाज फाइनेंस की डिजिटल सेवाओं और पूरे भारत में 4,200 स्थानों पर फैले 2.39 लाख वितरण केंद्रों के माध्यम से हम वित्तीय समावेशन को और गहराई दे रहे हैं और भारतीय उपभोक्ता की प्रगति को आगे बढ़ा रहे हैं।"

अमृतसर में भारत-पाकिस्तान सीमा के नज़दीक दो एके-सीरीज़ असॉल्ट राइफलें और एक आधुनिक पिस्तौल बरामद

चंडीगढ़/अमृतसर- मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशानुसार पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के तहत चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत एक बड़ी सफलता में अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने पाकिस्तान से चल रहे हथियार तस्करी मॉड्यूल का पर्दाफाश करते हुए भारत-पाकिस्तान सीमा के पास रावी नदी के निकट स्थित गांव घोनेवाल से आधुनिक हथियार और भारी मात्रा में कारतूस बरामद किए हैं। यह जानकारी पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने मंगलवार को दी।

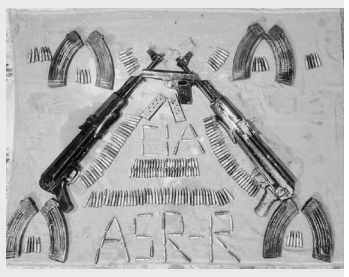

बरामद किए गए हथियारों और कारतूसों में दो एके-सीरीज़ असॉल्ट राइफलें, आठ मैगज़ीन, एक .30 बोर पिस्तौल सहित दो मैगज़ीन, .30 बोर के 50 जिंदा कारतूस और 7.62 एमएम के 245 जिंदा कारतूस शामिल हैं।

डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि सीमा क्षेत्रों में पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों और गैंगस्टरों की बढ़ती गतिविधियों के मद्देनज़र पंजाब पुलिस द्वारा की गई इस त्वरित और मुस्तैद कार्रवाई के चलते एक बड़ी वारदात होने से टल गई।

उन्होंने बताया कि नेटवर्क के आगे-पीछे के संबंधों समेत पूरे गिरोह का पर्दाफाश करने के लिए जांच जारी है।

ऑपरेशन के संबंध में जानकारी देते हुए डीआईजी बॉर्डर रेंज संदीप गोयल ने बताया कि सीमा पार से आधुनिक हथियारों की खेप की आमद की पुख्ता सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए एसएसपी अमृतसर ग्रामीण मनिंदर सिंह की अगुवाई में पुलिस टीमों ने गांव घोनेवाल के इलाके में सर्च अभियान चलाया। तलाशी के दौरान भारत-पाक सीमा से लगे रावी नदी के किनारे से आधुनिक हथियारों और कारतूसों से भरा एक बैग बरामद किया गया।

मोहिंदर भगत द्वारा स्वर्गीय दलित नेता बूटा सिंह के संबंध में अपमानजनक टिप्पणी करने पर राजा वड़िंग के खिलाफ दिया गया धरना

चंडीगढ़/जालंधर- पंजाब के बागवानी एवं रक्षा सेवाएं कल्याण मंत्री मोहिंदर भगत ने आज जालंधर में स्वर्गीय दलित नेता बूटा सिंह के बारे में की गई अपमानजनक टिप्पणी के विरोध में पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग के खिलाफ धरना दिया, जिससे पूरे देश में भारी आक्रोश फैल गया।

यह विरोध प्रदर्शन जालंधर के श्री राम चौक में आयोजित किया गया, जहाँ आपत्तिजनक टिप्पणियों के खिलाफ नारेबाजी करते हुए राजा वड़िंग का पुतला फूंका गया। हजारों समर्थकों और दलित समुदाय के सदस्यों ने मंत्री मोहिंदर भगत के साथ मिलकर स्वर्गीय नेता के प्रति "जाति आधारित" अपमानजनक टिप्पणी पर गहरा रोष व्यक्त किया।

सभा को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री मोहिंदर भगत ने कांग्रेस नेता वड़िंग की निंदनीय टिप्पणी को "दलित विरोधी" करार देते हुए कहा कि इससे कांग्रेस पार्टी का दलित समुदाय के प्रति असली चेहरा उजागर हुआ है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि दलित समाज कभी भी कांग्रेस पार्टी को माफ नहीं करेगा।

शिक्षा के साथ संस्कार तथा राष्ट्र निर्माण के लिए अच्छा चरित्र होना जरूरी है : प्रेरणा पुरी (आईएएस), शिक्षा सचिव

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। भारत विकास परिषद, चण्डीगढ द्वारा प्रान्त स्तरीय राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता का आयोजन पीएम श्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सैक्टर - 18 में किया गया जिसमें मुख्य अतिथि प्रेरणा पुरी (आईएएस), शिक्षा सचिव का परिषद के सदस्यों और स्कूल प्रिंसिपल ने गर्मजोशी से स्वागत किया।

शिक्षा सचिव प्रेरणा पुरी ने विद्यार्थियों को अत्यंत प्रेरणादायक विचार मार्गदर्शक के रूप में देते हुए बताया कि शिक्षा के साथ संस्कार तथा राष्ट्र निर्माण के लिए अच्छा चरित्र होना जरुरी है। प्रतियोगिता में सरकारी मॉडल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 22 ए ने प्रथम स्थान हासिल किया जबकि सरकारी मॉडल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सेक्टर, सेक्टर 35 दूसरे स्थान एवं सरकारी मॉडल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 13, एनएसी, मनीमाजरा तीसरे स्थान पर रहे। निर्णायक मंडल में सुनील ध्यानी, पूजा शर्मा, सोमेश गुप्ता शामिल थे। इस अवसर पर कार्यक्रम के मार्ग दर्शक अजय दत्ता, निदेशक,जीत गोगिया, सोमनाथ शर्मा, रीजनल जनरल सेक्रेटरी (कार्यक्रम अध्यक्ष), एमके विरमानी, मंजीत सिंह, प्रान्तीय महासचिव, डॉ. जसपिंदर कौर सूरी, प्रान्तीय वित्त सचिव, नवनीत गौड़ प्रांत गतिविधि संयोजक, संस्कार, विनोद पंडित, प्रांतीय संगठन मंत्री, बलदेव राज खुराना प्रांत गतिविधि सह संयोजक, संस्कार सहित पूर्व अध्यक्ष पीके शर्मा आदि उपस्थित रहे।

- **भाविप द्वारा आयोजित प्रान्त स्तरीय राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता में सरकारी मॉडल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 22 ए ने प्रथम स्थान हासिल किया**

उल्लेखनीय है कि भारत विकास परिषद के एक स्वयंसेवी संगठन के अनुशासन, निःस्वार्थ सेवा, और सेवा भाव पर आधारित संगठन है समाज की सेवा के लिए समर्पित परिषद के काम के चार मुख्य स्तंभ हैं: संस्कार, सेवा, संपर्क और परियोजना।

डॉ. बलजीत कौर ने राजा वड़िंग द्वारा स्वर्गीय बूटा सिंह पर की गई टिप्पणी की कड़ी निंदा की

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब की कैबिनेट मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने आज एक सख्त बयान जारी करते हुए पंजाब कांग्रेस प्रधान अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग द्वारा स्वर्गीय कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री सरदार बूटा सिंह के बारे में की गई टिप्पणी की कड़ी निंदा की।

सामाजिक न्याय, सशक्तिकरण और अल्पसंख्यक मामलों की मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा, "श्री बूटा सिंह जी न केवल भारतीय राजनीति के एक ऊँचे दर्जे के नेता थे, बल्कि अनुसूचित जाति समुदाय के सम्मान और सशक्तिकरण के प्रतीक भी थे। उनके बारे में इस प्रकार के आपत्तिजनक शब्दों में बात करना उनकी विरासत का अपमान है और उन मूल्यों का भी, जिनके लिए वे जीवनभर खड़े रहे।"

डॉ. कौर ने आगे कहा, "मैं श्री राजा वड़िंग द्वारा की गई अपमानजनक और असंवेदनशील टिप्पणियों की सख्त निंदा करती हूँ। ऐसी भाषा, विशेषकर जब किसी सम्मानित दलित नेता के प्रति प्रयोग की जाए, तो यह सम्मान और संवेदनशीलता की गंभीर कमी को दर्शाती है। यह किसी भी सभ्य समाज में अस्वीकार्य है — राजनीति में तो बिल्कुल नहीं।" उन्होंने सभी राजनीतिक नेताओं से अपील की कि वे जनसेवा की मर्यादा को बनाए रखें और अपने शब्दों में सम्मान और संवेदना का भाव रखें। "हमें यह याद रखना चाहिए कि हमारे शब्दों का वजन होता है। श्री बूटा सिंह जी के योगदान को किसी भी गैर-जिम्मेदार बयान से कम नहीं किया जा सकता," डॉ. बलजीत कौर ने कहा। मंत्री ने पंजाब राज्य अनुसूचित जाति आयोग द्वारा की गई स्वतः संज्ञान कार्रवाई का स्वागत किया, जिसने श्री वड़िंग को नोटिस जारी कर तरनतारन रिटर्निंग अधिकारी से रिपोर्ट मांगी है। उन्होंने कहा, "ऐसी घटनाओं के बाद जवाबदेही तय होना जरूरी है। आयोग को चाहिए कि यह मामला गंभीरता से आगे बढ़ाया जाए, ताकि न्याय केवल बूटा सिंह जी की याद में ही नहीं, बल्कि हर उस व्यक्ति के लिए हो जो सम्मान की अपेक्षा करता है।"

राजा वड़िंग का बूटा सिंह जी पर जातिसूचक अपमान निंदनीय, : तरुण चुग

हिन्द जनपथ
अमृतसर(ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग ने पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष और लुधियाना से सांसद अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग द्वारा देश के पूर्व गृह मंत्री एवं राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के पूर्व अध्यक्ष स्व. बूटा सिंह जी के प्रति की गई जातिसूचक और अपमानजनक टिप्पणी की कड़े शब्दों में निंदा की है।

चुग ने कहा कि राजा वड़िंग ने एक जनसभा में कहा — "बूटा सिंह काला सी, ओह पठे चराउँदा सी, चारा खिलाउँदा सी।" यह बयान मजहबी सिख अनुसूचित जाति समुदाय का घोर अपमान है, जिससे स्व. बूटा सिंह जी का संबंध था। यह टिप्पणी जातिगत अहंकार और कांग्रेस की दलित विरोधी मानसिकता को उजागर करती है।

चुग ने कहा कि बूटा सिंह जी जैसे जननेता, जिन्होंने दलित समाज के स्वाभिमान और अधिकारों की रक्षा के लिए जीवन समर्पित किया, उनके बारे में ऐसी टिप्पणी करना देश के हर अनुसूचित जाति नागरिक का अपमान है।

उन्होंने बताया कि इस मामले में राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग (NCSC) ने अब स्वतः संज्ञान लेते हुए तरनतारन के उपायुक्त और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को नोटिस जारी किया है और संविधान के अनुच्छेद 338 के तहत सात दिनों में कार्यवाही रिपोर्ट मांगी है।

चुग ने कहा कि "कांग्रेस नेतृत्व को इस निंदनीय बयान के लिए देश से माफी मांगनी चाहिए। दलित समाज के योगदान का अपमान करने वाले ऐसे नेताओं को कानून के तहत सख्त सज़ा मिलनी चाहिए।"

उन्होंने जोड़ा कि भाजपा और मोदी सरकार ने हमेशा अनुसूचित जातियों के सम्मान और अधिकारों की रक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है और किसी को भी उनकी गरिमा से खिलवाड़ करने नहीं दिया जाएगा।

मेयर हरप्रीत कौर बबला को हार्मनी होम्स रेज़िडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन, सेक्टर 35 के सदस्यों ने वार्ड नं. 23 की समस्याएं बताई

वर्तमान पार्षद पर जन कल्याण के कार्यों में बाधा डालने व घटिया राजनीति करने का आरोप लगाया

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मेयर हरप्रीत कौर बबला ने हार्मनी होम्स रेज़िडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन, सेक्टर 35 के सदस्यों से मुलाकात की और स्थानीय नागरिक विकास से जुड़ी समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की।

एसोसिएशन की अध्यक्ष अनीता जोशी ने जानकारी देते हुए बताया कि बैठक के दौरान मेयर ने निवासियों की चिंताओं को गंभीरता से सुना और शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। प्रमुख मांगों में टूटी सड़कों की मरम्मत, नियमित सफाई व्यवस्था, सीवरेज प्रणाली में सुधार, और क्षेत्र में खराब पड़ी स्ट्रीट लाइटों की बहाली शामिल थीं।

बैठक में एसोसिएशन के सदस्यों ने इस बात के लिए निराशा जताई कि प्रस्तावित विकास कार्य शुरू होने से पहले ही रोक दिए गए हैं। आरडब्ल्यूए ने स्पष्ट किया कि ये सभी मुद्दे पूरी तरह नागरिक कल्याण से संबंधित हैं और इनमें कोई राजनीतिक उद्देश्य नहीं है।

आरडब्ल्यूए के सदस्यों ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि वार्ड 23 की पार्षद प्रेमलता ने कथित रूप से कल्याण कार्यों में बाधा डाली है और इस मामले को व्यक्तिगत या राजनीतिक लाभ के लिए राजनीतिक रूप दे दिया। सदस्यों ने ज़ोर देकर कहा कि जनकल्याण और नागरिक विकास को राजनीतिक मतभेदों से ऊपर रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि विकास सभी निवासियों का अधिकार है, चाहे वे किसी भी पार्टी से हों। केवल सामूहिक सहयोग से ही स्वच्छ, हरित और विकसित चंडीगढ़ का सपना साकार हो सकता है। इस अवसर पर एसोसिएशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अरुण वर्मा, उपाध्यक्ष राकेश गुप्ता व राकेश ठाकुर, कोषाध्यक्ष जितेंदर शर्मा, महासचिव एसके पराशर, सचिव अंजलि अरोड़ा व कार्यालय सचिव अशोक गर्ग आदि भी उपस्थित रहे।

भारत के श्रमिकों के सशक्तिकरण की दिशा में: श्रम संहिताओं के कार्यान्वयन की आवश्यकता

लेखक : एस.पी. तिवारी, राष्ट्रीय महासचिव, ट्रेड यूनियन कोआर्डिनेशन सेंटर (टीयूसीसी)

भारत का कार्य जगत एक बदलाव के मुहाने पर खड़ा है। देश की श्रमशक्ति को लिखित अनुबंधों, पर्याप्त मजदूरी और व्यापक सामाजिक सुरक्षा द्वारा समर्थित औपचारिक रोजगार में तेजी से जगह मिलनी चाहिए ताकि विकास के लाभ सभी के लिए सुरक्षित एवं गरिमापूर्ण आजीविका में बदल सकें। पुराने विनियामक ढांचों के बने रहने के चलते, आंशिक रूप से, औपचारिकीकरण की गति और उद्यमों की सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण नौकरियां सृजित करने की क्षमता सीमित हो गई है। वर्ष 2019 और 2020 के बीच संसद द्वारा मजदूरी, औद्योगिक संबंध, सामाजिक सुरक्षा और व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कामकाज की स्थितियों के संबंध में पारित चार श्रम संहिताएं 2002 में रवींद्र वर्मा की अध्यक्षता वाली द्वितीय राष्ट्रीय श्रम आयोग द्वारा परिकल्पित लंबे समय से लंबित सुधारों का प्रतिनिधित्व करती हैं। इस श्रम आयोग का मिशन तत्कालीन मौजूदा श्रम ढांचे को संहिताबद्ध, सरल और संशोधित करना था। ये नई संहिताएं देश के श्रम परिदृश्य को आधुनिक बनाने और संरचनात्मक असंतुलनों को दूर करने हेतु एक व्यापक ढांचा प्रदान करती हैं। सभी राज्यों में इनका एकसमान कार्यान्वयन अब एक बेहद जरूरी राष्ट्रीय प्राथमिकता बन गई है।

ये नई संहिताएं 29 केन्द्रीय श्रम कानूनों को सरल और आधुनिक बनाती हैं। इन कानूनों में से कई बीसवीं सदी के मध्य के हैं। इन संहिताओं का उद्देश्य न केवल कानूनों का विलय करना है, बल्कि श्रमिकों/कर्मचारियों की विभिन्न परिभाषाओं को एक सरल परिभाषा में बदलना भी है। प्रत्येक संहिता श्रमिकों के अधिकारों और कल्याण को सुदृढ़ करती है और साथ ही नियोक्ताओं के लिए स्पष्टता और पूर्वानुमेयता प्रदान करती है।

उचित मजदूरी और श्रम की गरिमा

वेतन संहिता, 2019 प्रत्येक श्रमिक को श्रम की गरिमा का सम्मान करने वाला वेतन सुनिश्चित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। सार्वभौमिक न्यूनतम वेतन और एक राष्ट्रीय न्यूनतम वेतन लागू करके, यह संहिता इस बात की गारंटी देती है कि कोई भी श्रमिक, चाहे वह किसी भी पेशे या स्थान से जुड़ा हो, एक बुनियादी मानक आय से वंचित नहीं रहेगा। उद्योग की अनुसूची को समाप्त करने से सार्वभौमिक वेतन का मार्ग प्रशस्त होता है।

समय पर भुगतान के प्रावधानों को मजबूत किया गया है। इससे देरी की वह समस्या दूर हुई है, जो पहले परिवारों को कर्ज में धकेल देती थी। अब कर्मचारी अप्रदत्त वेतन या बोनस का दावा आसानी से कर सकते हैं और ऐसे विवादों में सबूत पेश करने का भार नियोक्ता पर होता है, जिससे जवाबदेही बढ़ती है।

साथ ही, यह संहिता उद्यमों के लिए अनुपालनों को सुव्यवस्थित करती है। इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड-कीपिंग, एकल पंजीकरण एवं एकीकृत रिटर्न कागजी कार्रवाई को कम करते हैं और हेरफेर की आशंकाओं को घटाते हैं।

सामाजिक सुरक्षा के दायरे का विस्तार

सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 आजाद भारत में कल्याण के सबसे समावेशी विस्तारों में से एक है। कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम और मातृत्व लाभ अधिनियम सहित नौ प्रमुख कानूनों को एकीकृत करके, यह संहिता एक ऐसी एकीकृत प्रणाली स्थापित करती है जो पारंपरिक और भविष्य के कार्य, दोनों को कवर करती है। यह पहली बार है जब गिग श्रमिकों, प्लेटफॉर्म श्रमिकों और असंगठित क्षेत्र के लोगों को स्पष्ट रूप से राष्ट्रीय श्रमशक्ति का हिस्सा माना गया है। प्रत्येक श्रमिक को ई-श्रम पोर्टल के जरिए पंजीकृत किया जाएगा और एक विशिष्ट सामाजिक सुरक्षा संख्या प्रदान की जाएगी, जिससे स्वास्थ्य बीमा, पेंशन और मातृत्व सहायता जैसे लाभों का सीधा वितरण संभव हो सकेगा। यह सुनिश्चित करने के लिए केन्द्रीय व राज्य सामाजिक सुरक्षा कोष बनाए जायेंगे कि ऐप-आधारित डिलीवरी पार्टनर या निर्माण कार्यों में संलग्न मजदूर जैसे श्रमिक भी अब सुरक्षा के दायरे से बाहर न रहें और निधियों का समग्र प्रबंधन संभव हो।

इस संहिता में करियर केन्द्र, डिजिटल एवं भौतिक प्लेटफॉर्म भी शामिल हैं जो व्यावसायिक मार्गदर्शन, परामर्श और रोजगार सेवाएं प्रदान करेंगे। यह संस्थागत समर्थन कल्याण को बहु-रोजगार क्षमता से जोड़ेगा, जिससे श्रमिकों को असुरक्षा की स्थिति से निकलकर अवसर की दिशा में बढ़ने में मदद मिल सकेगी।

कार्यस्थल पर सुरक्षा, गरिमा और समानता

व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य परिस्थितियां संहिता, 2020 (ओएसएच संहिता), राष्ट्र निर्माण करने वालों की देखभाल और उनके प्रति जिम्मेदारी का एक संदेश है। 'प्रतिष्ठान' की परिभाषा को व्यापक बनाकर, यह संहिता उन लाखों लोगों को सुरक्षा प्रदान करती है जो पहले सुरक्षा कानूनों के दायरे में नहीं आते थे।

यह श्रमिकों के निःशुल्क वार्षिक स्वास्थ्य जांच को अनिवार्य करती है और नियोक्ताओं से कर्मचारियों पर कोई वित्तीय बोझ डाले बिना सुरक्षित एवं स्वच्छ कार्यस्थल बनाए रखने की अपेक्षा करती है। राष्ट्रीय व्यावसायिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य सलाहकार बोर्ड का गठन बदलती औद्योगिक परिस्थितियों के अनुरूप सुरक्षा मानकों का विकास सुनिश्चित करता है।

ओएसएच संहिता लैंगिक समानता की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति सुनिश्चित करती है। महिला श्रमिकों को सभी प्रतिष्ठानों और रात्रि पाली में काम करने की अनुमति है, बशर्ते पर्याप्त सुविधाएं और सुरक्षा व्यवस्थाएं उपलब्ध हों। इससे अधिक संख्या में महिलाओं को श्रम बल में शामिल होने व बने रहने का अधिकार मिलता है। प्रवासी श्रमिकों को भी एक राष्ट्रीय पंजीकरण प्रणाली के जरिए मान्यता हासिल होती है। इससे कल्याणकारी योजनाओं और आवागमन संबंधी लाभों तक उनकी पहुंच सुनिश्चित होती है और बेहतर जीवन एवं आजीविका सुनिश्चित करने हेतु कानूनी ढांचे की निगरानी संभव होती है। कैंटीन और शौचालय जैसी सुविधाएं अब निचले पायदान तक अनिवार्य हैं और ऐसे प्रावधानों के निर्धारण के क्रम में ठेका श्रमिकों को भी शामिल किया जाता है। ये उपाय न्यूनतम अनुपालन से हटकर श्रमिकों के कल्याण के प्रति वास्तविक चिंता की दिशा में होने वाले बदलाव को दर्शाते हैं।

संवाद और औद्योगिक सद्भाव

औद्योगिक संबंध संहिता, 2020, नियोक्ताओं और कर्मचारियों के बीच संबंधों में स्पष्टता लाती है और एक एकीकृत ढांचे के साथ तीन पुराने अधिनियमों की जगह लेती है। इसके तहत बीस या उससे अधिक कर्मचारियों वाले प्रतिष्ठानों के लिए शिकायत निवारण समितियां स्थापित करना अनिवार्य है ताकि विवादों के हड़ताल या मुकदमेबाजी में बदल जाने से पहले ही उनका शीघ्र समाधान उद्यम स्तर पर सुनिश्चित हो जाए।

उत्तर रेलवे

ई–नीलामी सूचना

भारत के राष्ट्रपति की तरफ से वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक, उत्तर रेलवे अंबाला छावनी द्वारा मण्डल के निम्नलिखित स्टेशनों पर ठेके आवंटित करने हेतु ई–नीलामी रेल्वे वेब साइट **www.ireps.gov.in** के माध्यम से बोली आमंत्रित की जा रही है। आवंटित की जाने वाले ठेकों का विवरण निम्नलिखित है।

नीलामी काटलोग स.	कार्य का विवरण	नीलामी तिथि व समय
MSS-UMB-SFMU-BCrush-49-25-1	सुनाम ऊधम सिंह वाला रेलवे स्टेशन पर 01 प्लास्टिक बोतल क्रशर मशीन (पीबीसीएम) की स्थापना का कार्य	18.11.2025 12.00.00 hrs.
MSS-UMB-YJUD-BCrush-43-25-1	यमुनानगर जगाधरी रेलवे स्टेशन पर 02 प्लास्टिक बोतल क्रशर मशीनें (पीवीसीएम) स्थापित करने का कार्य	18.11.2025 12.00.00 hrs.
MSS-UMB-SAG- BCrush-48-25-1	संगरूर रेलवे स्टेशन पर 02 प्लास्टिक बोतल क्रशर मशीनें (पीबीसीएम) स्थापित करने का कार्य	18.11.2025 12.00.00 hrs.
MSS-UMB-ANSB-BCrush-45-25-1	आनंदपुर साहिब रेलवे स्टेशन पर 01 प्लास्टिक बोतल क्रशर मशीन (पीबीसीएम) की स्थापना का कार्य	18.11.2025 12.00.00 hrs.
MSS-UMB-DUI-BCrush-47-25-1	धुरी रेलवे स्टेशन पर 03 प्लास्टिक बोतल क्रशर मशीनें (पीबीसीएम) स्थापित करने का कार्य	18.11.2025 12.00.00 hrs.
MSS-UMB-SIR-BCrush-50-25-1	सरहिंद रेलवे स्टेशन पर 02 प्लास्टिक बोतल क्रशर मशीन (पीबीसीएम) की स्थापना का कार्य	18.11.2025 12.00.00 hrs.
MSS-UMB-UBC-BCrush-42-25-1	अम्बाला शहर रेलवे स्टेशन पर 02 प्लास्टिक बोतल क्रशर मशीन (पीबीसीएम) की स्थापना का कार्य	18.11.2025 12.00.00 hrs.
MSS-UMB-NLDM-BCrush-44-25-1	नंगल डेम रेलवे स्टेशन पर 01 प्लास्टिक बोतल क्रशर मशीन (पीबीसीएम) की स्थापना का कार्य	18.11.2025 12.00.00 hrs.
MSS-UMB-RPAR-BCrush-46-25-1	रूपनगर रेलवे स्टेशन पर 01 प्लास्टिक बोतल क्रशर मशीन (पीबीसीएम) की स्थापना का कार्य	18.11.2025 12.00.00 hrs.

ई–नीलामी लीजिंग आमंत्रण सूचना, नीलामी प्रपत्र, एक बार पंजीकरण व अधिक जानकारी हेतु, रेलवे वेबसाईट **www.ireps.gov.in** पर जाये।

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 3428/2025

संपादकीय

किसानों को राहत के नाम 3 रुपये, अन्नदाताओं के साथ मजाक

यह अजीब बात है कि एक तरफ राज्य सरकारें किसानों की हितैषी होने का दावा करती हैं, तो दूसरी ओर उनकी घोर उपेक्षा करती हैं। यह हाल तब है जबकि भारत को कृषि प्रधान देश माना जाता है और किसानों को अन्नदाता। पिछले कई वर्षों में किसानों की चुनौतियां बढ़ी हैं। कई राज्यों में उन्हें प्रकृति के कोप का सामना करना पड़ रहा है। सूखे की मार से लेकर बाढ़-बारिश और पाले से फसलों की बर्बादी बढ़ गई है। मगर राहत के नाम पर किसानों को जिस तरह की फौरी मदद दी जाती है, उससे कई बार तो व्यवस्था से जुड़े अधिकारियों की समझ और विवेक पर भी सवाल उठता है।महाराष्ट्र के अकोला जिले में उनकी लापरवाही साफ दिखी, जहां भारी बारिश से फसलों को हुए नुकसान की भरपाई के लिए प्रधानमंत्री बीमा योजना के तहत किसानों को महज तीन से इक्कीस रुपए दिए गए। यह राशि सचमुच उन अन्नदाताओं का मजाक था, जो अपने खेत-खलिहानों में रात-दिन पसीना बहा कर फसल उगाते हैं। स्वाभाविक रूप से किसानों ने इसे न केवल अपनी दुर्दशा का मजाक माना, बल्कि नाराजगी जताते हुए जिला कलेक्टर के कार्यालय में जाकर सहायता राशि के चेक लौटा दिए।सवाल है कि फसलों का लागत-मूल्य पता लगाने और उसका वास्तविक आकलन करके किसानों को सहायता राशि देने की जिम्मेदारी किसकी थी? गौरतलब है कि हरियाणा से लेकर पंजाब और महाराष्ट्र तक किसानों को बाढ़ और बारिश का सामना करना पड़ा है। इन राज्यों में राहत के लिए उठाए गए कदमों से ज्यादातर किसान संतुष्ट नहीं दिखते। महाराष्ट्र के नागपुर में फसलों के नुकसान का मुआवजा और संपूर्ण कर्ज माफी तथा न्यूनतम समर्थन मूल्य के लिए किसानों को आंदोलन करना पड़ा है।हैरत है कि इस पूरे परिदृश्य के बीच किसानों के बैंक खाते में इतनी न्यूनतम राशि किस आधार पर जमा कराई गई। क्या राज्य सरकार ने भारी बारिश से हुए फसलों के नुकसान का वास्तविक आकलन नहीं कराया था? अकोला जिले में सितंबर में हुई बारिश से फसलों को व्यापक नुकसान पहुंचा है। ऐसे में इतनी छोटी राशि देकर न केवल किसानों की उपेक्षा की गई, बल्कि उनके श्रम का भी अपमान किया गया है।

मॉर्गन स्टैनली के रिधम देसाई के अनुसार, भारत की आर्थिक नींव मजबूत है, लेकिन वैश्विक स्तर पर रिकॉर्ड कर्ज, घटती आबादी और भू-राजनीतिक अस्थिरता जैसे खतरे देश के विकास को प्रभावित कर सकते हैं। उन्होंने भारत की युवा आबादी को एक बड़ा बचाव बताया, जो वैश्विक खपत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। भारत की आर्थिक नींव मजबूत है। लेकिन, देश के विकास के लिए असली खतरे इसकी सीमाओं के बाहर हैं। मॉर्गन स्टैनली के मैनेजिंग डायरेक्टर और चीफ इंडिया इक्विटी स्ट्रैटेजिस्ट रिधम देसाई ने यह बात कही है। उन्होंने बिजनेस स्टैंडर्ड बीएफएसआई समिट में बताया कि भले ही कंपनियों और घरों की बैलेंस शीट अच्छी है और सुधारों से रफ्तार मिल रही है। लेकिन, दुनिया रिकॉर्ड कर्ज, घटती आबादी और अप्रत्याशित भू-राजनीतिक बदलावों का सामना कर रही है।

भारत के लिए बहुत कुछ गलत हो सकता है...कंट्रोल के बाहर, दिग्गज अर्थशास्त्री ने बताया कहां खतरा?

(अमित शुक्ला)

देसाई ने कहा कि भारत के लिए बहुत कुछ गलत हो सकता है। इनमें से ज्यादातर चीजें भारत के नियंत्रण से बाहर हैं। ये स्थिति को और खराब बनाती हैं। कारण है कि जिन चीजों को आप कंट्रोल कर सकते हैं, उन्हें आप पहले से ठीक कर सकते हैं।देसाई ने इस बात पर जोर दिया कि भारत के घरेलू आर्थिक हालात बेहद मजबूत हैं। उन्होंने कहा, हमारी कंपनियों की बैलेंस शीट बहुत साफ-सुथरी है। मैं इस आम धारणा से सहमत नहीं हूं कि घरों की बैलेंस शीट पर बोझ है। ऐसा बिल्कुल नहीं है, यह ठीक है। इसलिए बैलेंस शीट पर कोई समस्या नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत को सुधारों से भी काफी फायदा मिल रहा है। देसाई के मुताबिक, भारत में बहुत सारे आसान मौके हैं। हमें बस अपना हाथ बढ़ाना है और उन्हें हासिल करना है। अचानक आपको विकास के बड़े अवसर मिलेंगे। उन्होंने समझाया कि इसके लिए किसी बड़े कानून की जरूरत नहीं है, बल्कि ये बहुत आसान कदम हैं जिन्हें उठाया जा रहा है।

भारत की आबादी सबसे बड़ी ढाल: हालांकि, देसाई ने भारत के बाहर गहरी संरचनात्मक चुनौतियों के बारे में चेतावनी दी। उन्होंने कहा, दुनिया रिकॉर्ड कर्ज पर बैठी है और बूढ़ी हो रही है। यह कोई अच्छी बात नहीं है। उन्होंने एलन मस्क की बात का समर्थन करते हुए कहा कि दुनिया की आबादी की समस्या जलवायु परिवर्तन से कहीं बड़ी है क्योंकि इंसान अभी तक घटती आबादी को कैसे पलटा जाए, यह नहीं सीख पाए हैं।

देसाई ने भारत की आबादी को देश का सबसे बड़ा बचाव बताया, खासकर ऐसे समय में जब खपत बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, दुनिया रोबोट की बात करती है, लेकिन रोबोट कपड़े नहीं पहनते। वे कार नहीं चलाते। वे खाना नहीं खाते। वे छुट्टियां नहीं मनाते। वे उपभोक्ता नहीं हैं। अगर रोबोट हमारी फैक्ट्रियां चलाने लगे तो वे किसके लिए चीजें बनाएंगे? वे इंसानों के लिए चीजें बनाएंगे। इस देश में दुनिया में कहीं के मुकाबले सबसे ज्यादा इंसान हैं।

अर्थशास्त्री ने बताया कि इसी वजह से बहुराष्ट्रीय कंपनियां भारत की ओर आकर्षित हो रही हैं। उन्होंने कहा, कुछ कंपनियां प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) करेंगी और कहेंगी कि उन्हें भारत में एक फैक्ट्री चाहिए। कुछ ऐसा नहीं करेंगी - बाद में, मुझे लगता है कि उनका नजरिया बदलेगा।

वैश्विक कारकों में भारत की होगी 20 प्रतिशत हिस्सेदारी: मॉर्गन स्टैनली का अनुमान है कि अगले 10-15-20 सालों में भारत वैश्विक विकास का एक-पांचवां हिस्सा होगा यानी 20 प्रतिशत। यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप कौन सा उत्पाद या सेवा बेचते हैं। भारत आपकी कमाई में 10 प्रतिशत से लेकर 100 प्रतिशत तक का योगदान दे सकता है। उन्होंने कहा, 'अगर आप भारत में नहीं हैं तो आपको शुभकामनाएं।

देसाई ने भू-राजनीतिक चुनौतियों के बारे में भी आगाह किया, यह कहते हुए कि भारत का तत्काल परिवेश कठोर बना हुआ है। उन्होंने कहा, हम अपने पड़ोसियों को नहीं चुनते। लेकिन, हमारे ज्यादातर पड़ोसी या तो दिवालिया हैं - राजनीतिक और वित्तीय दोनों तरह से - या कम से कम किसी न किसी रूप में दिवालिया हैं। इसलिए यह हमेशा किसी न किसी तरह से भारत को खतरा पहुंचाता है और इसे देखना होगा।

भारत के पास आधी दुनिया को खिलाने का दम: घरेलू स्तर पर देसाई ने कृषि क्षेत्र को भारत का सबसे बड़ा अधूरा काम बताया। उन्होंने कहा, हमारे पास लगभग 20 करोड़ किसान हैं। कुछ साल पहले प्रस्तावित कृषि सुधार बहुत अच्छे और जरूरी थे। हमें अपने किसानों को गरीबी से बाहर निकालना होगा। नहीं तो यह होगा कि जो बाकी 1.1 अरब लोग खेती पर निर्भर नहीं हैं, वे आगे बढ़ जाएंगे। 40 करोड़ लोग जो पीछे रह जाएंगे, वे समाज के लिए एक समस्या बन जाएंगे।

देसाई ने कहा कि भारत की 35 करोड़ एकड़ (लगभग 14 करोड़ हेक्टेयर) कृषि योग्य भूमि में भारी क्षमता है। यह देश के लगभग आधे क्षेत्र के बराबर है। उन्होंने कहा, दुनिया में किसी भी बड़े देश के पास 50 प्रतिशत भूमि खेती के अधीन नहीं है। अगर हम चीन के स्तर की उत्पादकता पर काम करें तो मेरा मानना है कि हमारी कृषि अर्थव्यवस्था 2 ट्रिलियन डॉलर की हो सकती है। हम उस क्षमता से आधी दुनिया को खिला सकते हैं - यह हमारे कृषि क्षेत्र की क्षमता है, लेकिन इसे अनलॉक करने की जरूरत है। देसाई ने कहा कि भारत की मैक्रो स्थिति फ्लेक्सिबल है। लेकिन, वैश्विक जोखिम उस ताकत को चुनौती दे सकते हैं। भारत ठीक है, लेकिन दुनिया बूढ़ी हो रही है। दुनिया पर कर्ज है। अगले कुछ सालों में किसी समय, यह एक संकट के रूप में सामने आएगा।

दिल, दिमाग और फेफड़ों तक पहुंच रही जहरीली गैस, जानिए प्रदूषण से कैसे करें बचाव

(सोनू गुप्ता)

दिवाली के बाद वायु प्रदूषण तेजी से बढ़ गया है, जिससे हवा में मौजूद धूल और जहरीले कण लोगों की सेहत पर बुरा असर डाल रहे हैं। सांस की तकलीफ, आंखों में जलन और फेफड़ों की बीमारियां बढ़ रही हैं। ऐसे में आप कुछ आसान उपाय को फॉलो कर इससे बचाव कर सकते हैं। दिपावली बाद कई महानगरों और शहरों में वायु प्रदूषण बढ़ गया। हवा में धुआं और धूल कितना खतरनाक होता है, यह तब पता चलता है जब बड़ी संख्या में लोग सांस की बीमारियों और फेफड़े में रोग की वजह से अस्पताल पहुंचते हैं। आंखों में जलन और सांस लेने में परेशानी सामान्य बात है। मगर सबसे गंभीर बात यह है कि इसका असर पूरे शरीर पर पड़ता है। नतीजा कई बार लोग घातक रोग के भी शिकार हो जाते हैं।

सबसे बड़ा खतरा: वायु प्रदूषण सबको अपनी चपेट में लेता है। मगर बच्चे और बुजुर्ग इसकी जद में पहले आते हैं। अधिक उम्र के लोगों के फेफड़े पर गंभीर असर पड़ता है। कई बार तो यह कैंसर के रूप में सामने आता है। दरअसल, प्रदूषण के दौरान वातावरण में मौजूद हानिकारक कण हमारे फेफड़े में आकर जमा हो जाते हैं और ये कैंसर कोशिकाओं को बढ़ावा देते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट के मुताबिक, कई देशों में वायु प्रदूषण के कारण फेफड़े के कैंसर का जोखिम बढ़ रहा है। हालांकि यह खतरनाक स्थिति धूम्रपान से भी पैदा होती है। मगर चिंता की बात यह है कि जो धूम्रपान नहीं करते, वे भी कम जोखिम में नहीं रहते।

दिल को पहुंचाता है नुकसान: वायु प्रदूषण का असर फेफड़े और आंखों पर ही नहीं पड़ता, यह दिल की सेहत को भी खतरे में डाल देता है। वातावरण में मौजूद रासायनिक कण श्वास नली के माध्यम से हृदय को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इससे दिल का दौरा पड़ने का जोखिम बढ़ जाता है। आकाश हेल्थकेयर सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल दिल्ली के हेड डॉ. अक्षय बुधराजा के मुताबिक,जहरीली हवा में मौजूद पीएम 2.5 और पीएम10 का असर दिल के साथ मस्तिष्क पर भी असर डालता है। नतीजा ब्रेन स्ट्रोक का अंदेशा बढ़ जाता है। अगर कोई पहले से हृदय रोगी है, तो उन्हें सचेत हो जाना चाहिए।: प्रतिरोधक क्षमता पर असर डॉ. अक्षय बुधराजा आगे कहते हैं कि वायु प्रदूषण बहुत खामोशी से पूरे शरीर की प्रणाली पर असर डालता है। इससे रोग प्रतिरोधक क्षमता भी घटने लगती है। प्रदूषित हवा के संपर्क में आने पर बच्चों और बुजुर्गों के फेफड़े की कार्यक्षमता घट जाती है। अगर कोई लंबे समय तक प्रदूषित वातावरण में रहता है, तो उसकी रोग से लड़ने की शक्ति कम होने लगती है। ऐसे में कई बीमारियां घेरने लगती हैं। तब कई लोग मौसम बदलने पर भी बीमार हो जाते हैं।

वायु प्रदूषण से घुटता है दम: वायु प्रदूषण का गंभीर असर श्वसन तंत्र पर पड़ता है। आम तौर पर सांस लेने की दिक्कत इसी समय शुरू होती है। क्योंकि प्रदूषण की वजह से फेफड़े तक जाने वाले वायु मार्ग में सूजन आ जाती है। सांस नलियों में संकुचन की वजह से पीड़ित व्यक्ति सांस लेने में दिक्कत महसूस करता है। ऐसे में 'क्रोनिक आब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज' (सीओपीडी) की समस्या पैदा हो जाती है। यह वही सांस संबंधी रोग है, जिसका सबसे बड़ा कारण वायु प्रदूषण है। शहरों और महानगरों में इसके मरीज लगातार बढ़ रहे हैं। चिंता का विषय यह है कि बड़ी संख्या में सीओपीडी रोगी अस्पतालों में पहुंच रहे हैं। यह बीमारी होने पर रोगी सीने में जकड़न महसूस करता है। कई बार वह दर्द की भी शिकायत करता है। प्राय-इस तरह के रोगियों में बलगम बनता है। उन्हें खांसी भी लगातार होती है।

वायु प्रदूषण से कैसे निपटें?: वायु प्रदूषण से निपटना जहां एक बड़ी चुनौती है, वहीं इससे होने वाली बीमारियों से लड़ना और उसका उपचार कराना कोई आसान नहीं है। निरंतर बढ़ रहे प्रदूषण की वजह से हवा में घुलते जहर से बचने के लिए सभी लोगों को हरसंभव उपाय करना चाहिए। घर से जब भी निकलें, मास्क पहन कर निकलें। इससे प्रदूषक तत्त्वों को शरीर में जाने से पहले ही रोका जा सकता है। सड़कों पर निजी वाहनों से चलने के बजाय सार्वजनिक वाहनों का उपयोग करना चाहिए। इससे कमरे का वातावरण स्वच्छ रखा जा सकता है। धूल और धुएं से जितना हो सके, बचना चाहिए। बाहर से लौटने पर गर्म पानी का भांप लेने से फेफड़े को आराम मिलता है। डॉ. अक्षय बुधराजा के मुताबिक, बढ़ते वायु प्रदूषण के स्तर से निपटने के लिए सबसे पहले अपने घर की हवा को साफ रखना चाहिए। इसके लिए आप घर पर ही हवा को साफ करने वाले पौधे और एयर प्यूरीफायर लगा सकते हैं। वह आगे कहते हैं कि बीमार व्यक्ति के कमरे में एयर प्यूरीफायर जरूर लगाना चाहिए। इसके अलावा, वह एन 95 मास्क लगाने की भी सलाह देते हैं।

वर्ग पहेली 5903

संकेत: बाएं से दाएं
1. 8 मार्च 1917 को इस देश में फरवरी क्रांति की शुरूआत हुई (2)
3. हवा, पवन, बयार, वायु (3)
6. आलिंगित, जो गले मिला हो (5)
8. ठिगना, बौना, जिसका कद छोटा हो (2)
9. भय या शर्म के कारण कांप उठना (4)
10. इस दिवंगत हास्य अभिनेता के दिवंगत बेटा भी अभिनेता निर्देशक था (2)
12. जमीन, धरा (अंग्रेजी)(2)
14. जीवन-निर्वाह हेतु उचित साधन देना (3)
16. कश्मीर की एक प्रसिद्ध झील (2)
17. किसी कार्य का अपनी ओर से आरंभ (3)
18. अभिभावक, संरक्षक (4)
21. किसी वस्तु के जले हुए अंश (2)
22. शाहजहां दिल्ली के निकट शाहजहांनाबाद नगर की स्थापना की और यहां से राजधानी दिल्ली लाई गई (3)

ऊपर से नीचे
1. यह मुद्रा रूस देश में प्रचलित है (3)
2. पुराणानुसार अयोध्या के प्रसिद्ध सूर्यवंशी राजा जिसकी दूसरी पत्नी सुमति से 60 हजार पुत्र हुए थे (3)
3. दिलीप कुमार-सायराबानो अभिनीत यह फिल्म हिंदी व बांग्ला दोनों भाषा में बनी (3)
4. जो प्रतियोगिता आदि का काम सबसे पहले करें (2)
5. नुकसान, हानि, कमी (2)
7. लज्जित करना, शर्म करवाना (4)
8. 8 मार्च 2018 को नेफियू रियो ने इस भारतीय राज्य की 9 वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली (4)
11. वह जो प्रत्येक कार्य बाएं हाथ से करता हो (4)
13. छोड़ा जाना, डाला जाना, फैलाया जाना (3)
15. पुरानी फिल्मों के दिवंगत गीतकार (3)
17. गुण-दोष को निश्चय करने के लिए वस्तु की परीक्षा (3)
18. कठोर, कड़ा, प्रखर, दृढ़ (2)
19. विपरीतता, नादरूपिणी वाणी (2)
20. होली के अवसर पर गाया जाने वाला गीत (2)

वर्ग पहेली 5902 का हल

गौ	त	म	गं	भी	र	■	अ
र	ज	■	गा	■	वि	रा	ट
त	ना	■	द्वा	र	■	ज	ल
ल	■	त	र	ह	■	त	■
ब	न	ना	■	न	व	रं	ग
■	ज	त	न	■	■	गि	ला
नू	रा	नी	■	र	म	णी	■
■	ना	■	वि	न	य	■	भू

देव दिवाली के दिन जरूर करें ये अचूक उपाय, शत्रुओं से मिलेगा छुटकारा, शनि का अशुभ प्रभाव होगा कम

(मनीष पाण्डेय)

हर साल कार्तिक मास की पूर्णिमा तिथि को देव दीपावली का पर्व मनाया मनाया जाता है। हिंदू धर्म में इसे बहुत महत्वपूर्ण दिन माना जाता है। कार्तिक अमावस्या से 15 दिन बाद कार्तिक पूर्णिमा पर देवताओं की दिवाली के रूप में इस त्यौहार को मनाया जाता है। मान्यता है कि इस दिन देवी-देवता धरती पर आते हैं। इस बार कार्तिक मास की पूर्णिमा तिथि 5 नवंबर 2025, बुधवार को पड़ रही है। इस शुभ दिन पर कुछ विशेष उपाय करने से जीवन में आने वाली बाधाओं से छुटकारा मिलते हैं और मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है। देव दिवाली के दिन हनुमान जी की पूजा और पाठ करना बेहद ही शुभ माना जाता है। भगवान को सिंदूर और चमेली का तेल अर्पित करने से शत्रुओं का भय दूर होता है। इस दिन शिवलिंग पर गंगाजल और दूध चढ़ाने से भगवान शिव की कृपा प्राप्त होती है। ऊँ नमः शिवाय मंत्र का 108 बार जाप करने से कुंडली में उपस्थित शनि दोष और राहु-केतु दोष का प्रभाव कम होता है। कार्तिक पूर्णिमा के दिन काले तिल का दान करना विशेष फलदायी माना गया है। इस उपाय से शनि ग्रह के अशुभ प्रभाव कम होते हैं और कुंडली में शनि दोष का निवारण होता है। देव दीपावली के दिन घर में गंगाजल का छिड़काव करें। इससे घर की नकारात्मक ऊर्जा दूर होगी और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। इससे घर में शांति और सुख-समृद्धि आएगी। कार्तिक पूर्णिमा पर देव दिवाली के दिन लाल कपड़े में गुड़ बांधकर किसी जरूरतमंद व्यक्ति को दान करें। इस उपाय से कुंडली में मौजूद मंगल दोष शांत होगा।

आज का राशिफल

मेष
आज कड़वाहट को मिठास में बदलने की कला आपको सीखनी पड़ेगी। इस दौरान आपको जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य प्राप्त होगा। तृतीय भाव में बृहस्पति होने के कारण संतान पक्ष से आशा जनक समाचार मिल सकता है। शाम के समय कोई रुके हुए काम के बनने की संभावना दिख रही है।

वृष
आज का दिन संतोष और शांति से भरा रहने वाला है। राजनीति के क्षेत्र में किए गए प्रयासों में आपको सफलता मिलेगी। इस दौरान शासन व सत्ता से गठजोड़ का लाभ मिल सकता है। नए समझौतों के द्वारा आपको पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि मिल सकती है।

मिथुन
आज का दिन शुभ रहने वाला है। राशि स्वामी के षष्ठम भाव में होने के कारण किसी मूल्यवान वस्तु के खोने या चोरी होने का भय बना रहेगा। हालांकि संतान की शिक्षा या किसी प्रतियोगिता में आशातीत सफलता का समाचार मिलने से घर-परिवार में खुशी का माहौल रहेगा।

कर्क
आज हनुमान जी की विशेष कृपा प्राप्त होती दिख रही है। चन्द्रमा नवम भाव में उत्तम संपत्ति का संकेत दे रहे हैं। ऐसे में आजीविका के क्षेत्र में प्रगति देखने को मिलेगी। इसके साथ ही मान-सम्मान में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति हो सकती है।

सिंह
आज आर्थिक स्थिति बेहतर नजर आ रही है। राशि के स्वामी सूर्य चार ग्रहों के बीच में आ गए हैं। इससे आपके लिए आमदनी के नए स्रोत बनेंगे। वाणी की सौम्यता आपको समाज में सम्मान दिलाएगी। इसके साथ ही शिक्षा, प्रतियोगिता में विशेष सफलता मिलेगी।

कन्या
आज दिन सफलताओं से भरा रहने वाला दिख रहा है। राशि स्वामी बुध पराक्रम वृद्धि कर रहा हैं, जो रोजगार व्यापार के क्षेत्र में जारी प्रयासों में अकल्पनीय सफलता दिलाएगा। संतान पक्ष से भी आज के दिन संतोषजनक सुखद समाचार मिलेगा।

तुला
आज आपके चारों ओर सुखद वातावरण रहेगा। घर परिवार के सभी सदस्यों की खुशियां बढ़ेगी। कई दिनों से चली आ रही लेन-देन की कोई बड़ी समस्या आज के दिन हल हो सकती है। पर्याप्त मात्रा में धन हाथ में आ जाने का सुख-सुविधाओं में इजाफा होगा। इस दौरान विरोधियों का प्रभाव भी अधिक देखने को मिलेगा।

वृश्चिक
आज कुछ आंतरिक विकार आपको परेशान कर सकते हैं। वायु-मूत्र-रक्त से जुड़ी किसी प्रकार की समस्या हो सकती है। आज का दिन जांच कराने और किसी अच्छे डॉक्टर से इस मामले में सलाह मशविरा करने में व्यतीत होगा। रोग की अवस्था में भी आपका चलना फिरना काफी ज्यादा हो गया है।

धनु
आज दिन अच्छा गुजरने वाला है। आज आपके विरोधी भी आपकी प्रशंसा करेंगे। शासन सत्ता पक्ष से निकटता व गठजोड़ आपके लिए फायदेमंद साबित होगा और अंत में लाभ दिलाएगा। ससुराल पक्ष का भी आपको साथ मिलेगा और वहां से पर्याप्त मात्रा में धन हाथ लग सकता है।

मकर
आज पारिवारिक व आर्थिक मामलों में सफलता मिलेगी। आजीविका के क्षेत्र में चल रहे नए प्रयास फलीभूत होंगे। अधीनस्थ कर्मचारियों का आदर व सहयोग भी पर्याप्त मिलेगा। सायंकाल के समय किसी झगड़े विवाद में न पड़ें। रात्रि में प्रिय अतिथियों के स्वागत का योग बना रहेगा।

कुंभ
अपने स्वास्थ्य पर आज के दिन ध्यान देना होगा। आज आपके स्वास्थ्य सुख में व्यवधान आ सकता है। राशि का स्वामी शनि उदय चल रहा है। ऐसे में बिना किसी ठोस कारण के कोई झगड़ा या बहस की स्थिति बन सकती है। इसके अलावा अपनी बुद्धि द्वारा किए गए कार्यों में भी हानि देखनी पड़ सकती है।

मीन
आज का दिन पुत्र, पुत्री की चिंता तथा उनके कामों में व्यतीत होगा। दांपत्य जीवन में कई दिन से चला आ रहा गतिरोध आज के दिन समाप्त हो जाएगा। बहनोई और साले से आज लेन-देन आपको संबंधों को खराब कर सकता है। धार्मिक क्षेत्रों की यात्रा और पुण्य कार्यों पर खर्चा हो सकता है।

मंगलम इंडस्ट्रियल फाइनेंस लिमिटेड का राइट्स इश्यू खुला, इश्यू 14 को होगा बंद

मुंबई, एजेंसी। मंगलम इंडस्ट्रियल फाइनेंस लिमिटेड (बीएसईः 537800), एक अग्रणी गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी ने अपने राइट्स इश्यू की अवधि बढ़ाने की घोषणा की है। कंपनी का राइट्स इश्यू वर्तमान में खुला है और 14 नवंबर 2025 को बंद होगा। यह राइट्स इश्यू 1 रुपये प्रति शेयर के मूल्य पर 48,08,21,750 इक्विटी शेयरों का है, जिसकी कुल राशि लगभग 48.08 करोड़ रुपये है। राइट्स इश्यू से प्राप्त शुद्ध धन का उपयोग कंपनी अपने पूंजी आधार को मजबूत करने और अपने एनबीएफसी कारोबार से जुड़ी संचालन क्षमताओं के विस्तार के लिए करेगी।इससे पहले, कंपनी ने इलेक्ट्रिक मोबिलिटी समाधान को वित्तपोषित करने के लिए अपनी नई फ्लीट फाइनेंसिंग पहल की घोषणा की थी। कार्बन फुटप्रिंट को कम करने और सतत विकास के राष्ट्रीय लक्ष्य में योगदान देने की दिशा में उठाए गए इस कदम के तहत, एमआईएफएल देशभर के इलेक्ट्रिक वाहन फ्लीट ऑपरेटरों को वित्तीय सहायता प्रदान करेगी। यह पहल स्वच्छ और टिकाऊ परिवहन पारिस्थितिकी तंत्र की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

श्रीराम सुपर 5-एसआर-05 से मिल रही किसानों को रिकॉर्ड उपज

बैतूल। मध्य प्रदेश में गेहूं की खेती में श्रीराम फार्म सॉल्यूशन्स द्वारा विकसित श्रीराम सुपर 5-एसआर-05 और श्रीराम सुपर 1-एसआर-14 गेहूं बीजों ने उल्लेखनीय परिवर्तन लाया है। इन उन्नत किस्मों ने किसानों के बीच उच्च उपज, रोग प्रतिरोधकता और विभिन्न जलवायु परिस्थितियों में अनुकूलता के लिए ख्याति प्राप्त की है। श्रीराम फार्म सॉल्यूशन्स के विश्वविख्यात गेहूं वैज्ञानिकों द्वारा तैयार की गई गेहूं की किस्में, श्रीराम सुपर 1-एसआर-14 और 5-एसआर-05, इनकी अनुकूलन क्षमता और बेहतरीन उत्पादकता के चलते किसानों में बहुत लोकप्रिय हैं। इनमें कल्ले ज्यादा और बालियां लंबी है, और यह रोगों के प्रति सहनशील है।सबसे खास बात यह है कि बदलती प्रकृति से उभर रही नई-नई चुनौतियों में भी इन किस्मों के परिणाम श्रेष्ठ हैं। अपनी इन्हीं विशेषताओं के चलते ये दोनों किस्में भारत के विभिन्न क्षेत्रों के किसानों की पहली पसंद बन गई हैं। अनुभवी किसान विजेन्द्र सिंह बताते हैं कि इस साल उन्होंने अपने खेत में श्रीराम सुपर 5-एसआर-05 गेहूं की बुवाई की। उनका कहना है कि इस किस्म का तना बेहद मजबूत है, जिससे फसल गिरने की संभावना नहीं रहती। साथ ही, कल्लों की संख्या अधिक है और हर बाली में 85-90 दाने मिलने से उत्पादन अत्यधिक रहा।

सैमसंग इंडिया ने सैमसंग वालेट में फीचर्स पेश किये

डिजिटल पेमेंट और यूपीआई ऑनबोर्डिंग का बदला अंदाज

गुरुग्राम, एजेंसी। सैमसंग, भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, ने आज सैमसंग वॉलेट के लिए कुछ बड़े और शानदार बदलावों का ऐलान किया है। सैमसंग वॉलेट गैलेक्सी फ़ोन इस्तेमाल करने वालों के लिए एक ऐसा सुरक्षित ऐप है जहाँ वे डिजिटल कीज़, भुगतान विधियों, आइडी कार्ड सहित अपनी कई डिजिटल चीज़ों को एक ही जगह पर रख सकते हैं। ये महत्वपूर्ण फीचर्स लाखों गैलेक्सी उपयोगकर्ताओं के लिए नए उपकरण सेटअप करने, भुगतान प्रबंधित करने और डिजिटल लेनदेन करने के तरीके को बदलने के लिए डिज़ाइन की गई हैं। नए उपकरण सेटअप के तहत सहज यूपीआई ऑनबोर्डिंग, पिन-फ्री बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन, और उन्नत टैप एंड पे सपोर्ट - जिसमें फॉरेक्स कार्ड और ऑनलाइन कार्ड भुगतान शामिल हैं, इन सभी बदलावों के साथ, सैमसंग वॉलेट तेज़ी से इस

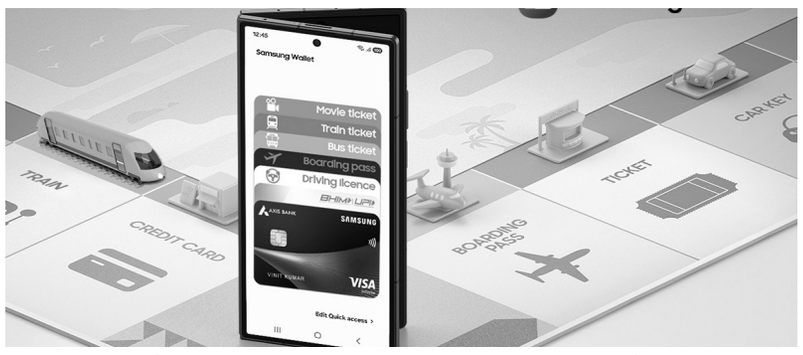

दिशा में बढ़ रहा है कि वह आपके डिजिटल जीवन का सबसे सुरक्षित और ज़रूरी गेटवे बन जाए।

मधुर चतुर्वेदी, सीनियर डायरेक्टर, सर्विसेज एंड ऐप्स बिजनेस, सैमसंग इंडिया ने कहा 'हम सैमसंग वॉलेट में इन महत्वपूर्ण नवाचारों को पेश करने के लिए उत्साहित हैं। नए अपडेट्स के साथ, सैमसंग वॉलेट अब केवल एक डिजिटल वॉलेट नहीं है, यह डिजिटल भुगतान, यात्रा आवश्यकताओं, पहचान पत्रों और डिजिटल कीज़ के लिए सार्वभौमिक और सुरक्षित गेटवे बन गया है। नए गैलेक्सी उपकरण सेटअप करने से लेकर भुगतान, लेनदेन और यात्रा करने के तरीके तक, हम बाधाओं को हटा रहे हैं और सुविधा को फिर से परिभाषित कर रहे हैं। '

नए डिवाइस सेटअप के साथ बिल्ट-इन यूपीआई ऑनबोर्डिंग - तेजी से अपनाने को बढ़ावा देनाः सैमसंग पहला मूल उपकरण निर्माता (ओईएम) है जो गैलेक्सी स्मार्टफोन्स पर नए-उपकरण सेटअप अनुभव के हिस्से तहत सैमसंग वॉलेट के माध्यम से यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) खातों का ऑनबोर्डिंग सक्षम करने वाला है। सेटअप यात्रा में यूपीआई पंजीकरण को जल्दी शामिल करके, गैलेक्सी उपकरण को चालू करने के समय से ही भुगतान के लिए तैयार हो सकते हैं। यह अनुभव गैलेक्सी उपकरणों पर यूपीआई के त्वरित और सहज अपनाने को सुनिश्चित करता है, भारत में डिजिटल भुगतानों को और बढ़ावा देता है और पे-रेडी तक के मार्ग को सरल बनाता है।

यूपीआई के लिए बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण - हर बार पिन की आवश्यकता नहीं

सैमसंग वॉलेट के प्रमाणीकरण अनुभव को बायोमेट्रिक सत्यापन - डिवाइस फिंगरप्रिंट और चेहरे की पहचान - के परिचय के साथ उन्नत किया गया है, पिन डालने की जरूरत खत्म हो गई है। उपयोगकर्ता जल्द ही एप्लिकेशन तक पहुंच सकेंगे और गैलेक्सी उपकरण के फिंगरप्रिंट या चेहरे की पहचान का उपयोग करके यूपीआई भुगतान कर सकेंगे। यह अपग्रेड न केवल पहुंच को सुव्यवस्थित करता है बल्कि सुरक्षा और सुविधा को भी बढ़ाता है, मैनुअल इनपुट को कम करता है और भुगतान प्रवाह के दौरान फ्रिक्शन कम करता है। इस अतिरिक्त प्रमाणीकरण विधि के साथ, सैमसंग वॉलेट सुरक्षित भुगतानों को आपके फोन को अनलॉक करने जितना सरल बनाता है।

इंडसइंड इंटरनेशनल होल्डिंग्स और इन्वेस्को ने भारत में परिसंपत्ति प्रबंधन संयुक्त उद्यम का गठन पूरा किया

मुंबई, एजेंसी। इंडसइंड बैंक के प्रवर्तक इंडसइंड इंटरनेशनल होल्डिंग्स लिमिटेड (आईआईएचएल) और इन्वेस्को लिमिटेड (इन्वेस्को) ने आज घोषणा की कि उन्होंने अपने परिसंपत्ति प्रबंधन संयुक्त उद्यम (जेवी) का गठन पूरा कर लिया है। आईआईएचएल द्वारा सभी नियामक अनुमोदनों और समापन शर्तों के बाद इन्वेस्को एसेट मैनेजमेंट इंडिया (आईएएमआई) में 60 प्रतिशत स्वामित्व हिस्सेदारी का अधिग्रहण किया गया है। शेष 40 प्रतिशत हिस्सेदारी इन्वेस्को के पास रहने के साथ, आईआईएचएल और इन्वेस्को दोनों नियामक ढांचे के तहत संयुक्त प्रायोजक का दर्जा प्राप्त करेंगे।

सितंबर 2025 तक, आईएएमआई भारत में 16वां सबसे बड़ा घरेलू परिसंपत्ति प्रबंधक है, जिसकी सितंबर 2025 को समाप्त तिमाही के लिए संयुक्त ऑनशोर और ऑफशोर (सलाहकार के माध्यम से) औसत प्रबंधनाधीन संपत्ति 148,358 करोड़ रुपये है और देश भर के 40 शहरों में इसकी उपस्थिति है। आईआईएचएल के अध्यक्ष श्री अशोक हिंदुजा ने कहा, आईआईएचएल में, हम इन्वेस्को के साथ इस संयुक्त उद्यम को लेकर बेहद उत्साहित हैं, जिससे एसेट मैनेजमेंट को शामिल करके हमारे पैरा बैंकिंग पोर्टफोलियो का विस्तार होगा और 2030 तक हम एक

वैश्विक वित्तीय पावरहाउस बनेंगे। यह सबसे उपयुक्त समय है, जब भारत, बढ़ती आय और अनुकूल जनसांख्यिकी के बल पर, सभी भारतीयों, जिनमें प्रवासी भी शामिल हैं, के लिए निवेश की अपार संभावनाएँ प्रदान करता है। हम पारदर्शी और कुशलतापूर्वक अंतिम घर, अंतिम निवेशक तक पहुँचने का प्रयास करेंगे और निवेशकों की इस उम्मीद पर खरा उतरेंगे कि म्यूचुअल फंड सही है। इस घोषणा पर बोलते हुए, इन्वेस्को एसेट मैनेजमेंट (इंडिया) के सीईओ, श्री सौरभ नानावटी ने कहा- हमें इस रणनीतिक लेनदेन के पूरा होने की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। यह संयुक्त उद्यम इन्वेस्को की एसेट मैनेजमेंट में वैश्विक विशेषज्ञता और आईआईएचएल के एक साथ आने का प्रतीक है।

जो स्थानीय बाजार में इसकी गहरी उपस्थिति को सुगम बनाता है। साथ मिलकर, हमारा लक्ष्य अपनी पहुँच को मज़बूत करना और वितरण का विस्तार करना है, खासकर टियर 2 और टियर 3 शहरों में, जिससे पूरे भारत में निवेशकों के व्यापक समूह के लिए गुणवत्तापूर्ण निवेश समाधान उपलब्ध हो सकें। हमारा लक्ष्य गिफ्ट सिटी, एसआईएफ, पैसिव प्रोडक्ट्स और डिजिटल चैनलों के माध्यम से अपनी उपस्थिति और पेशकशों को बढ़ाना भी है।

फ्रैंकलिन टेम्पलटन ने लॉन्च किया फ्रैंकलिन इंडिया मल्टी फैक्टर फंड

मुंबई, एजेंसी। फ्रैंकलिन टेम्पलटन (इंडिया) ने आज अपना एनएफओ, फ्रैंकलिन इंडिया मल्टी-फैक्टर फंड लॉन्च करने की घोषणा की है। यह एक ओपन-एंडेड इक्विटी स्कीम है जो मल्टी-फैक्टर आधारित डेटा-आधारित (क्वांटिटेटिव) निवेश रणनीति का पालन करती है।एफ.आई.एम.एफ. शेयरों को चुनने के लिए एक डेटा-आधारित, व्यवस्थित तरीका अपनाता है। यह क्वालिटी, वैल्यू, सेंटीमेंट और अल्टरनेटिव्स जैसे फैक्टर का इस्तेमाल करता है। निवेश के लिए यह फंड मार्केट कैपिटलाइजेशन (बाजार पूंजीकरण) के हिसाब से भारत की टॉप 500 लिस्टेड कंपनियों में से शेयर चुनता है। इस फंड का लक्ष्य एक अनुशासित, मॉडल-आधारित प्रक्रिया को फंड मैनेजर की समझ के साथ मिलाकर जोखिम को ध्यान में रखते हुए अच्छा रिटर्न देना है। यह न्यू फंड ऑफर 10 नवंबर 2025 से 24 नवंबर 2025 तक सब्सक्रिप्शन के लिए खुला रहेगा। इस अवधि के दौरान यूनिट्स 10 रुपये प्रति यूनिट की कीमत पर उपलब्ध होंगी।

सोनालीका ने अक्टूबर 2025 में 27,028 ट्रैक्टरों की कुल सर्वाधिक मासिक बिक्री के साथ रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन किया

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारत से ट्रैक्टर एक्सपोर्ट में नंबर 1 ब्रांड, सोनालीका ट्रैक्टर्स ने अक्टूबर 2025 में 27,028 ट्रैक्टरों की अब तक की सर्वाधिक मासिक बिक्री दर्ज़ की है। ट्रैक्टर पर जीएसटी कटौती के बाद यह कंपनी के लिए सबसे बड़ा महीना है। इस शानदार प्रदर्शन द्वारा सोनालीका ने प्रमुख ट्रैक्टर ब्रांडों में 34.8 प्रतिशत की सबसे अधिक कुल वृद्धि हासिल की जो कि कुल उद्योग प्रदर्शन से 2.3एक्स ज्यादा है (अनुमानित)। कंपनी ने इस महीने में सर्वाधिक 2.2 प्रतिशत अंक (अनुमानित) बाज़ार हिस्सेदारी में बढ़ोतरी भी दर्ज की है जो इसके किसान-केंद्रित दृष्टिकोण, इनोवेशन और मज़बूत टीमवर्क को दर्शाता है। सोनालीका लगातार यह सुनिश्चित करता है कि हमारे किसानों की खेतों में हर ज़रूरतें पूरी हों। इस महीने कंपनी ने कई नए रिकॉर्ड बनाए हैं ङ्क सर्वाधिक डिलीवरी, बिलिंग और विश्व नंबर 1 ट्रैक्टर प्लांट में अब तक का सर्वाधिक उत्पादन। यह सफलता कुशल योजना, जुनून और अपनी सामूहिक ताकत में विश्वास के ज़रिए संभव हुई है। यह केवल तकनीकी उपलब्धि से कहीं ज़्यादा है, जो नई

उपलब्धि इस बात को दर्शाती है कि कंपनी खेतों को ऊर्जा देने वाले हाथों के साथ कितनी गहराई से जुड़ी है जो दृढ़ संकल्प और कड़ी मेहनत की सच्ची प्रतीक हैं।

अपने विचार साझा करते हुए, श्री रमन मित्तल, जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर, इंटरनेशनल ट्रैक्टर्स लिमिटेड, ने कहा, ट्रैक्टरों पर जीएसटी में कमी के बाद अक्टूबर 2025 सबसे सफ़ल महीना रहा और हमने 27,028 ट्रैक्टरों की रिकॉर्ड तोड़ बिक्री के साथ अपनी अविश्वसनीय यात्रा में एक शानदार नया अध्याय लिखा है। ट्रैक्टर उद्योग में 34.8 प्रतिशत की सर्वाधिक कुल वृद्धि हासिल करते हुए, हमने उद्योग के प्रदर्शन को 2.3ङ्क से पीछे छोड़ दिया (अनुमानित) है और 2.2 प्रतिशत अंक की सर्वाधिक बाज़ार हिस्सेदारी में बढ़ोतरी (अनुमानित) हासिल की है। ऐसी बड़ी उपलब्धियां हमारी प्रतिबद्धता और सहयोग का प्रमाण हैं। और इक्कठे जीतने के हमारे जज़्बे को रेखांकित करती हैं, और वास्तव में आई टी एल की अजेय ऊर्जा को परिभाषित करती है। चूंकि हम एक एकीकृत टीम के रूप में एक साथ खड़े हैं।

जय शाह का क्रांतिकारी विजन क्रिकेट के लिए एक 'स्वर्णिम युग' लेकर आया

मुंबई, एजेंसी। श्री जय शाह के दूरदर्शी नेतृत्व में, क्रिकेट ने भारत और विश्व स्तर पर एक व्यापक बदलाव का दौर देखा है। पहले बीसीसीआई सचिव और अब आईसीसी अध्यक्ष के रूप में, श्री शाह ने सुधारवादी नीतियों के माध्यम से खेल के शासन को एक नई परिभाषा दी है, जो समावेशी विकास, वित्तीय समानता और वैश्विक विस्तार पर जोर देती है। आईसीसी में, उन्होंने पहले वित्त एवं वाणिज्यिक मामलों की समिति के अध्यक्ष और अब चेयरमैन के रूप में परिवर्तनकारी भूमिका निभाई है। उनके मार्गदर्शन में, आईसीसी ने 2023 में पुरुषों और महिलाओं के टूर्नामेंट के लिए समान पुरस्कार राशि की शुरुआत की- जो लैंगिक समानता की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने कोविड के बाद आईसीसी के वित्तीय ढांचे को मजबूत किया और क्रिकेट को 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक में वापसी दिलाने में निर्णायक भूमिका निभाई। वैश्विक क्रिकेट संस्था का कार्यभार संभालने से पहले, बीसीसीआई सचिव के रूप में श्री शाह ने भारतीय क्रिकेट में पेशेवरता और निष्पक्षता का नया युग शुरू किया।

चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड
चंडीगढ़ प्रशासन का उपक्रम
8, जनमार्ग, सेक्टर-9-डी, चंडीगढ़

सार्वजनिक सूचना

संपदा अधिकारी, यूटी चंडीगढ़ की शक्तियों के निर्वहन में सचिव, सीएचबी के समक्ष।

विषयः आवंटी/हस्तांतरी **श्री लखमीर सिंह थिंड पुत्र श्री महमा सिंह** के नाम से **श्री मुनीष चन्द्र सोबती पुत्र श्री योगिश चन्द्र सोबती** के नाम में बिक्री विलेख के आधार पर सेक्टर **49,** चंडीगढ़ में श्रेणी ईडब्ल्यूएस (वन रूम फ्लैट) की ड्वेलिंग यूनिट सं. **2942 (जीएफ)** के संबंध में स्वामित्व अधिकार का हस्तांतरण/नामांत्रण।

आम जनता एवं सभी संबंधित की जानकारी हेतु एतद्द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि सेक्टर **49,** चंडीगढ़ में श्रेणी ईडब्ल्यूएस (वन रूम फ्लैट)की ड्वेलिंग यूनिट सं. **2942 (जीएफ)** आवंटी/हस्तांतरी **श्री लखमीर सिंह थिंड पुत्र श्री महमा सिंह** के नाम में दर्ज है। अब, **श्री लखमीर सिंह थिंड पुत्र श्री महमा सिंह** ने **23.10.2025** को उप रजिस्ट्रार, चंडीगढ़ के कार्यालय में पंजीकृत एवं निष्पादित बिक्री विलेख के तहत **श्री मुनीष चन्द्र सोबती पुत्र श्री योगिश चन्द्र सोबती** को उक्त कथित ड्वेलिंग यूनिट बेच दी है। **श्री मुनीष चन्द्र सोबती पुत्र श्री योगिश चन्द्र सोबती** ने बिक्री विलेख के आधार पर अपने नाम में उक्त कथित ड्वेलिंग यूनिट के हस्तांतरण हेतु इस कार्यालय में निवेदन किया है।

यदि किसी व्यक्ति को आवेदक के पक्ष में कथित संपत्ति के हस्तांतरण में कोई आपत्ति है, तो वह इस सूचना के प्रकाशन के 21 दिनों के भीतर अधोहस्ताक्षरी को लिखित में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता/सकती/सकते हैं, जिसमें असफल होने पर कथित ड्वेलिंग यूनिट का स्वामित्व उक्त दावेदारों के पक्ष में हस्तांतरित कर दिया जाएगा।

सचिव,
चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड,
चंडीगढ़

चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड
चंडीगढ़ प्रशासन का उपक्रम
8, जनमार्ग, सेक्टर-9-डी, चंडीगढ़

सार्वजनिक सूचना

संपदा अधिकारी, यूटी चंडीगढ़ की शक्तियों के निर्वहन में सचिव, सीएचबी के समक्ष।

विषयः आवंटी/हस्तांतरी **श्री कुलदीप सिंह गिल पुत्र श्री सुचा सिंह गिल** के नाम से **श्री कमलजीत सिंह पुत्र बेअंत सिंह** के नाम में बिक्री विलेख के आधार पर सेक्टर **40-ए,** चंडीगढ़ में श्रेणी ईडब्ल्यूएस की ड्वेलिंग यूनिट सं. **388 (जीएफ)** के संबंध में स्वामित्व अधिकार का हस्तांतरण/नामांत्रण।

आम जनता एवं सभी संबंधित की जानकारी हेतु एतद्द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि **40-ए,** चंडीगढ़ में श्रेणी ईडब्ल्यूएस की ड्वेलिंग यूनिट सं. **388 (जीएफ)** आवंटी/हस्तांतरी **श्री कुलदीप सिंह गिल पुत्र श्री सुचा सिंह गिल** के नाम में दर्ज है। अब, **श्री कुलदीप सिंह गिल पुत्र श्री सुचा सिंह गिल** ने **30.10.2025** को उप रजिस्ट्रार, चंडीगढ़ के कार्यालय में पंजीकृत एवं निष्पादित बिक्री विलेख के तहत **श्री कमलजीत सिंह पुत्र बेअंत सिंह** को उक्त कथित ड्वेलिंग यूनिट बेच दी है। **श्री कमलजीत सिंह पुत्र बेअंत सिंह** ने बिक्री विलेख के आधार पर अपने नाम में उक्त कथित ड्वेलिंग यूनिट के हस्तांतरण हेतु इस कार्यालय में निवेदन किया है।

यदि किसी व्यक्ति को आवेदक के पक्ष में कथित संपत्ति के हस्तांतरण में कोई आपत्ति है, तो वह इस सूचना के प्रकाशन के 21 दिनों के भीतर अधोहस्ताक्षरी को लिखित में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता/सकती/सकते हैं, जिसमें असफल होने पर कथित ड्वेलिंग यूनिट का स्वामित्व उक्त दावेदारों के पक्ष में हस्तांतरित कर दिया जाएगा।

सचिव,
चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड,
चंडीगढ़

चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड
चंडीगढ़ प्रशासन का उपक्रम
8, जनमार्ग, सेक्टर-9-डी, चंडीगढ़

सार्वजनिक सूचना

संपदा अधिकारी, यूटी चंडीगढ़ की शक्तियों के निर्वहन में सचिव, सीएचबी के समक्ष।

विषयः आवंटी/हस्तांतरी **श्री गौतम सिंह पुत्र श्री मन मोहन सिंह** के नाम से **(i) श्री दीपंदर सिंह राठौर (DEEPANDER SINGH RATHORE) पुत्र श्री भागीरथ सिंह राठौर एवं (ii) श्रीमती कांची खुराना पुत्री श्री राज बहादुर सिंह पत्नी श्री दीपंदर सिंह राठौर (DEEPANDER SINGH RATHORE)** के नाम में बिक्री विलेख के आधार पर **सेक्टर- 51-ए, चंडीगढ़** में **श्रेणी-II** (एमआईजी) की ड्वेलिंग यूनिट सं. **163 (जीएफ)** के संबंध में स्वामित्व अधिकार का हस्तांतरण/नामांत्रण।

आम जनता एवं सभी संबंधित की जानकारी हेतु एतद्द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि **सेक्टर- 51-ए, चंडीगढ़** में **श्रेणी-II** (एमआईजी) की ड्वेलिंग यूनिट सं. **163 (जीएफ)** आवंटी/हस्तांतरी **श्री गौतम सिंह पुत्र श्री मन मोहन सिंह** के नाम में दर्ज है। अब, **श्री गौतम सिंह पुत्र श्री मन मोहन सिंह** ने **30.10.2025** को उप रजिस्ट्रार, चंडीगढ़ के कार्यालय में पंजीकृत एवं निष्पादित बिक्री विलेख के तहत **(i) श्री दीपंदर सिंह राठौर (DEEPANDER SINGH RATHORE) पुत्र श्री भागीरथ सिंह राठौर एवं (ii) श्रीमती कांची खुराना पुत्री श्री राज बहादुर सिंह पत्नी श्री दीपंदर सिंह राठौर (DEEPANDER SINGH RATHORE)** को उक्त कथित ड्वेलिंग यूनिट बेच दी है। **(i) श्री दीपंदर सिंह राठौर (DEEPANDER SINGH RATHORE) पुत्र श्री भागीरथ सिंह राठौर एवं (ii) श्रीमती कांची खुराना पुत्री श्री राज बहादुर सिंह पत्नी श्री दीपंदर सिंह राठौर (DEEPANDER SINGH RATHORE)** ने बिक्री विलेख के आधार पर अपने नाम में उक्त कथित ड्वेलिंग यूनिट के हस्तांतरण हेतु इस कार्यालय में निवेदन किया है।

यदि किसी व्यक्ति को आवेदक के पक्ष में कथित संपत्ति के हस्तांतरण में कोई आपत्ति है, तो वह इस सूचना के प्रकाशन के 21 दिनों के भीतर अधोहस्ताक्षरी को लिखित में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता/सकती/सकते हैं, जिसमें असफल होने पर कथित ड्वेलिंग यूनिट का स्वामित्व उक्त दावेदारों के पक्ष में हस्तांतरित कर दिया जाएगा।

सचिव,
चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड,
चंडीगढ़

चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड
चंडीगढ़ प्रशासन का उपक्रम
8, जनमार्ग, सेक्टर-9-डी, चंडीगढ़

सार्वजनिक सूचना

विषयः आवंटी/हस्तांतरी **श्री अभय कुमार गौड़ पुत्र श्री मदन लाल गौड़** की निर्वसीयत मृत्यु के आधार पर **(i) श्री मनीष गौड़ पुत्र स्व. श्री अभय कुमार गौड़ एवं (ii) श्री रिशब गौड़ (RISHAB GAUR) पुत्र स्व. श्री अभय गौड़** के नाम में **फेस-I, एमएचसी, मनीमाजरा**, चंडीगढ़ में **श्रेणी- IV** की डी. यू. सं. **5323** के आवंटन/पंजीकरण के **50% हिस्से** का हस्तांतरण/नामांत्रण।

आम जनता एवं सभी संबंधित की जानकारी हेतु एतद्द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि **फेस-I, एमएचसी, मनीमाजरा**, चंडीगढ़ में **श्रेणी- IV** की ड्वेलिंग यूनिट सं. **5323** के स्वामी **श्री अभय कुमार गौड़ पुत्र श्री मदन लाल गौड़** की उनके कानूनी उत्तराधिकारियों द्वारा सूचित अनुसार **22.06.2020** को **जीरकपुर, एस.ए.एस. नगर, मोहाल (पंजाब)** में मृत्यु हो चुकी है। **(i) श्री मनीष गौड़ पुत्र स्व. श्री अभय कुमार गौड़ एवं (ii) श्री रिशब गौड़ (RISHAB GAUR) पुत्र स्व. श्री अभय गौड़** ने **श्री अभय कुमार गौड़ पुत्र श्री मदन लाल गौड़** की निर्वसीयत मृत्यु के आधार पर अपने नाम में **फेस-I, एमएचसी, मनीमाजरा**, चंडीगढ़ में **श्रेणी- IV** की ड्वेलिंग यूनिट सं. **5323** के स्वामित्व के हस्तांतरण हेतु निवेदन किया है। उनके द्वारा आगे सूचित किया गया है कि कोई अन्य कानूनी उत्तराधिकारी पीछे नहीं छोड़ा गया है।

यदि किसी व्यक्ति को ड्वेलिंग यूनिट में दावा/अधिकार/रूचि के संबंध में कोई आपत्ति हो, जो चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड द्वारा **(i) श्री मनीष गौड़ (पुत्र) और (ii) श्री रिशब गौड़ (RISHAB GAUR) (पुत्र)** के पक्ष में हस्तांरित की जानी प्रस्तावित है, तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 21 दिनों के अंदर लिखित में अपनी आपत्ति अधोहस्ताक्षरी को प्रस्तुत कर सकता/सकते हैं, जिसमें असफल होने पर उक्त ड्वेलिंग यूनिट का पंजीकरण एवं आवंटन उक्त कथित दावेदारों के पक्ष में हस्तांतरित कर दिया जाएगा।

सचिव,
चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड,
चंडीगढ़

कौन थे गुरु नानक देव जी ? जिन्होंने की थी सिख धर्म की स्थापना

सिख धर्म से जुड़े लोग कार्तिक पूर्णिमा के पर्व का बेसब्री से इंतजार करते हैं, क्योंकि इस तिथि पर गुरु नानक देव जी का प्रकाश पर्व बेहद उत्साह के साथ मनाया जाता है। गुरु नानक देव जी ने सिख धर्म की स्थापना की थी। इसलिए उन्हें सिख धर्म के संस्थापक के रूप में सम्मानित किया जाता है। कार्तिक पूर्णिमा के शुभ अवसर पर गुरुद्वारों को सुंदर तरीके से सजाया जाता है और बेहद खास रौनक देखने को मिलती है। इसके अलावा गुरुवाणी का पाठ और लंगरों का आयोजन किया जाता है।

गुरु नानक देव जी समाज के लोगों को सदैव परमपिता से मिलन का मार्ग बताते रहें। उन्होंने ऐसे कई अनमोल वचन दिए हैं, जिनका पालन कर व्यक्ति अपने जीवन को बदल सकता है। वर्ष 2025 में गुरु नानक देव जी का 556वां प्रकाश पर्व है।

गुरु नानक देव जी का जन्म 15 अप्रैल, 1469 में तलवंडी (अब पश्चिम पाकिस्तान) में हुआ था। उनके पिता जी का नाम मेहता कालू और माता जी का नाम तृप्ता था। उनके पिता तलवंडी गांव में पटवारी का कार्य किया करते थे। गुरु नानक देव जी ने वर्ष 1487 में शादी की, जिसका नाम सुलखनी था। इनके दो पुत्र श्रीचंद और लख्मी चंद थे। उन्होंने कई तीर्थयात्रा की थी। यात्रा के दौरान उन्होंने लोगों को सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ जागरुक किया। उन्होंने अपना अंतिम समय पाकिस्तान के करतारपुर में बिताया। वर्ष 1539 में उनकी गुरु नानक जी की मृत्यु हो गई। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि उन्होंने अपनी मृत्यु से पहले ही शिष्य भाई लहना को उत्तराधिकारी बनाया था।

गुरु नानक देव जी की शिक्षा

- गुरु नानक देव जी ने लोगों को सदैव सत्य बोलने और सत्य के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया।
- गुरु नानक देव जी के अनुसार ईश्वर की भक्ति करने वाले जातक को जीवन में कभी भी भय नहीं रहता।
- कभी किसी बुरे कार्य को करने के बारे में न सोचे।
- जीवन में सदैव खुश रहना चाहिए और प्रभु से क्षमा मांगनी चाहिए।
- रोजाना ईश्वर की सच्चे मन से उपासना करनी चाहिए।

धार्मिक महत्व और सांस्कृतिक आस्था का पर्व है कार्तिक पूर्णिमा

कार्तिक पूर्णिमा का पर्व हिंदू धर्म में बेहद पवित्र माना जाता है। इसे कार्तिक मास के आखिरी दिन मनाया जाता है। कार्तिक पूर्णिमा का पर्व न केवल धार्मिक दृष्टिकोण से बल्कि सांस्कृतिक और सामाजिक दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण होता है। इस दिन दीपदान, गंगा स्नान, व्रत, पूजा-अर्चना और दान का विशेष महत्व है।

कार्तिक पूर्णिमा कब है

हिन्दू पंचांग के अनुसार कार्तिक पूर्णिमा 5 नवम्बर को मनाई जाएगी।

कार्तिक पूर्णिमा का महत्व

हिंदू धर्म के शास्त्रों में कार्तिक पूर्णिमा को पवित्रतम तिथियों में से एक माना गया है। इस दिन का महत्व विभिन्न धार्मिक ग्रंथों में विस्तार से बताया गया है। कार्तिक पूर्णिमा के दिन भगवान विष्णु के रूप में मत्स्य अवतार का जन्म हुआ था, जो सृष्टि के विनाश और पुनर्सृजन की कथा से जुड़ा है। मान्यता है कि इस दिन किए गए पुण्य कर्मों का फल अन्य दिनों की तुलना में अधिक होता है। विशेषकर गंगा नदी में स्नान और दीपदान को अत्यधिक पुण्यकारी माना गया है। भगवान शिव के भक्तों के लिए भी यह दिन खास होता है, क्योंकि इसे त्रिपुरारी पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन भगवान शिव ने त्रिपुरासुर का वध किया था, जो संसार के लिए एक बड़ा संकट बना हुआ था। इसलिए, इस दिन को बुराई पर अच्छाई की जीत के रूप में भी मनाया जाता है।

स्नान-दान का महत्व

इस दिन गंगा, यमुना और अन्य पवित्र नदियों में स्नान करना अत्यंत पुण्यकारी माना जाता है। कहते हैं कि इस दिन जो व्यक्ति गंगा स्नान करता है उसके सभी पाप धुल जाते हैं और उसे मोक्ष की प्राप्ति होती है। इसलिए, भारत के विभिन्न हिस्सों में लोग इस दिन गंगा के तट पर एकत्रित होते हैं और स्नान के बाद पूजा-अर्चना करते हैं। दान का महत्व भी इस दिन विशेष माना जाता है। ब्राह्मणों तथा दीन-दुःखी, निर्धन लोगों को अनाज, वस्त्र, धन, और अन्य आवश्यक वस्तुओं का दान करने से पापों का नाश होता है और पुण्य की प्राप्ति होती है। दीपदान, जो इस दिन का एक प्रमुख कार्य है, अंधकार को दूर करने और जीवन में प्रकाश फैलाने का प्रतीक है। इसे करते समय लोग अपने घरों के पास, मंदिरों में और नदियों के किनारे दीप जलाते हैं।

हिन्दू धर्म में का विशेष महत्व दान उल्लेख धार्मिक ग्रंथों में विस्तार से किया गया है। किसी भी त्यौहार या शुभ समय पर पात्र व्यक्तियों को निःस्वार्थ भाव से पूरे मन के साथ श्रद्धापूर्वक दान करें। गरुड़ पुराण में भगवान विष्णु द्वारा दान के महत्व को विस्तार से बताया गया है।

दान के महत्व का उल्लेख करते हुए पौराणिक ग्रंथों में कहा गया है-

अल्पमपि क्षितौ क्षिप्तं वटबीजं प्रवर्धते ।
जलयोगात् यथा दानात् पुण्यवृक्षोऽपि वर्धते ॥

जमीन पर डाला हुआ छोटा सा वटवृक्ष का बीज, जैसे जल के योग से बढ़ता है, वैसे पुण्य रूपी वृक्ष भी दान से बढ़ता है।

कार्तिक पूर्णिमा पर करें इन चीजों का दान

कार्तिक पूर्णिमा पर दान का बड़ा महत्व माना जाता है। कहा जाता है कि इस पुण्यकारी अवसर पर अन्न और भोजन का दान सर्वोत्तम है। कार्तिक मास की पूर्णिमा के पुण्यकारी अवसर पर नारायण सेवा संस्थान के दीन-हीन, निर्धन, दिव्यांग बच्चों को भोजन दान करने के प्रकल्प में सहयोग करके पुण्य के भागी बनें।

देवताओं की दीपावली देव दीपावली

कार्तिक मास की चतुर्दशी को छोटी दिवाली, अमावस्या को बड़ी दिवाली और पूर्णिमा को देव दीपावली मनाते हैं।

कार्तिक मास कृष्ण पक्ष की अमावस्या को मनुष्य दीप जलाकर दीपावली मनाते हैं और मनुष्यों की दीपावली के 15 दिन बाद कार्तिक मास की पूर्णिमा को देवों की दीपावली होती है। कार्तिक माह का सबसे पवित्र दिन कार्तिक पूर्णिमा है, क्योंकि इस दिन देवलोक में दीपोत्सव मनाया जाता है। मनुष्यों की भांति देवता भी दीप जलाकर दीपोत्सव मनाते हैं। देव दीपावली पूर्णिमा के दिन कार्तिक के महीने में मनाया जाता है और यह देवताओं या परमेश्वर की दीपावली है। इस दिन पूर्ण चांद का दर्शन होता है। तुलसी विवाह की रस्म भी इस दिन पूरी होती है और इस दिन तुलसी विदाई होती है। देव दीपावली भी दीपावली समारोह के अंत का प्रतीक है। कहते हैं कि इस दिन देव भी दिया जलाते हैं। इस दिन दीये की रोशनी और चांद की रोशनी पूरे वातावरण को खुशनुमा कर देती है।

कब है देव दीपावली

देव दिवाली का सनातन धर्म में बेहद महत्व है। इस पर्व को लोग बुराई पर अच्छाई की जीत के रूप मनाते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भगवान शिव ने इस दिन राक्षस त्रिपुरासुर को हराया था। शिव जी की जीत का जश्न मनाने के लिए सभी देवी-देवता तीर्थ स्थल वाराणसी पहुंचे थे जहां उन्होंने लाखों मिट्टी के दीपक जलाए। देव दिवाली का पर्व सबसे शुभ त्योहारों में से एक है, जिसे पूरे देश में बहुत उत्साह और उमंग के साथ मनाया जाता है। इसे देव दीपावली के नाम से भी जाना जाता है। यह पर्व कार्तिक मास की पूर्णिमा तिथि को मनाया जाता है।

कार्तिक पूर्णिमा के दिन क्यों मनाते हैं गुरु नानक जयंती ?

गुरु नानक जयंती गुरु नानक देव जी के जन्म का उत्सव है, जो सिख धर्म में समानता, प्रेम और सेवा के प्रतीक हैं. इस दिन लोग कीर्तन, अखंड पाठ और लंगर का आयोजन कर उनके उपदेशों को याद करते हैं और सेवा, परोपकार, और ईश्वर-भक्ति का पालन करने का संकल्प लेते हैं.

गुरु नानक जयंती सिख समुदाय के सबसे महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक है. यह पर्व हर साल कार्तिक माह की पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है. इसे गुरुपर्व या प्रकाश पर्व भी कहा जाता है. यह पर्व सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव जी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में मनाया जाता है. गुरु नानक देव जी को सिख समुदाय के पहले गुरु के रूप में भी जाना जाता है. यह आमतौर पर अक्टूबर-नवंबर में पड़ता है. सिख समुदाय के लोगों के लिए यह पर्व बहुत खास होता है. इस पर्व को बहुत धूमधाम के साथ मनाया जाता है. इस दिन सभी गुरुद्वारों में विशेष कार्यक्रम का आयोजन होता है.

गुरु नानक जयंती तिथि

हर साल कार्तिक माह की पूर्णिमा के दिन गुरु नानक जयंती का पर्व मनाया जाता है. इस साल कार्तिक माह की पूर्णिमा तिथि 5 नवंबर को पड़ रही है. इसलिए इस वर्ष गुरु नानक जयंती का पर्व 5 नवंबर को मनाया जाएगा. इस वर्ष गुरु नानक जी की 556वीं जयंती मनाई जाएगी. कहा जाता है कि गुरु नानक देव जी का जन्म साल 1469 में कार्तिक पूर्णिमा के दिन हुआ था, तब से लेकर आज तक हर साल कार्तिक पूर्णिमा के दिन उनकी जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई जाती है. गुरु नानक जयंती के दो दिन पहले अखंड पाठ का आयोजन किया जाता है, जिसमें गुरु ग्रंथ साहिब का लगातार 48 घंटे का पाठ किया जाता है. इस पाठ का समापन गुरु नानक जयंती के दिन होता है. गुरु नानक जयंती के दिन सुबह में नगर कीर्तन का आयोजन किया जाता है. नगर कीर्तन में सिख समुदाय के लोग शबद कीर्तन गाते हुए, गुरु ग्रंथ साहिब को पालकी में लेकर एक जुलूस के रूप में चलते हैं.इस दिन गुरुद्वारों में कीर्तन और प्रवचन होते हैं, जहां गुरु नानक देव जी के उपदेशों और शिक्षाओं के बारे में बताया जाता है. इससे सिख समुदाय के लोग उनके संदेशों को याद करते हैं और उनसे प्रेरणा लेते हैं. इस दिन गुरुद्वारों में विशेष लंगर का आयोजन किया जाता है, जिसमें सभी धर्मों और जातियों के लोग एक साथ बैठकर भोजन करते हैं. लंगर का उद्देश्य समानता और भाईचारे का संदेश देना है. कुछ स्थानों पर इस अवसर पर दीपक जलाए जाते हैं और गुरुद्वारों को सजाया जाता है. इस दिन लोग सेवा व दान आदि भी करते हैं, जैसे गरीबों को भोजन कराना, कपड़े दान करना, और समाज सेवा से जुड़े कार्य करते हैं.

गुरु नानक जयंती का महत्व

गुरु नानक जयंती का महत्व सिख धर्म के पहले गुरु माने जाने वाले, गुरु नानक देव जी के जीवन और उनके उपदेशों को स्मरण करना है. गुरु नानक देव जी ने हमेशा समानता, प्रेम, सेवा, और ईमानदारी के सिद्धांतों पर जोर दिया. इस दिन लोग जाति और धर्म से परे, सभी के प्रति भाईचारा और सहिष्णुता की भावना को अपनाने का संकल्प लेते हैं. गुरु नानक देव जी ने नाम जपो, किरत करो, वंड छको का संदेश दिया, यानी ईश्वर का नाम जपें, ईमानदारी से कार्य करें और जरूरतमंदों के साथ बांटकर खाएं. यह पर्व उनके द्वारा स्थापित निस्वार्थ सेवा और मानवता के प्रति प्रेम की भावना को मनाने और अपने जीवन में उतारने का पावन अवसर होता है.

कार्तिक मास की पूर्णिमा के दिन को देव दिवाली का पर्व मनाया जाता है। इस दिन नदी में स्नान और दीपदान करने का खासा महत्व रहता है। आओ जानते हैं स्नान के बाद दीपदान करने के फायदे।

आखिर क्यों होती है कार्तिक पूर्णिमा इतनी खास

कार्तिक पूर्णिमा का सनातन धर्म में विशेष स्थान है। इस साल 5 नवंबर को है। इसे त्रिपुरी पूर्णिमा या गंगा स्नान पूर्णिमा भी कहा जाता है। इस दिन स्नान, दान, दीपदान और पूजा का विशेष महत्व है। कार्तिक पूर्णिमा पूर्णिमा 5 नवम्बर को मनाई जाएगी।

भगवान शिव द्वारा त्रिपुरासुर वध

कार्तिक पूर्णिमा को त्रिपुरी पूर्णिमा भी कहा जाता है। इस दिन भगवान शिव ने त्रिपुरासुर नामक राक्षस का वध किया था, जो देवताओं के लिए संकट बन चुका था। त्रिपुरासुर के संहार के बाद देवताओं ने भगवान शिव का धन्यवाद किया और तभी से यह दिन भगवान शिव की विशेष पूजा-अर्चना का माना गया है। उसी दिन देवताओं ने शिवलोक यानि काशी में आकर दीपावली मनाई। तभी से ये परंपरा काशी में चली आ रही हैं। माना जाता है कि कार्तिक मास के इस दिन काशी में दीप दान करने से पूर्वजों को मुक्ति मिलती है। इस दिन शिवजी की पूजा करने से सभी प्रकार के पापों से मुक्ति मिलती है और विशेष आशीर्वाद प्राप्त होता है।

मत्स्य अवतार

कार्तिक पूर्णिमा के दिन भगवान विष्णु के रूप में मत्स्य अवतार का जन्म हुआ था, जो सृष्टि के विनाश और पुनर्सृजन की कथा से जुड़ा है। भगवान विष्णु के दस अवतारों में पहला अवतार मत्स्य अवतार माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि भगवान विष्णु ने प्रलय काल में वेदों की रक्षा के लिए कार्तिक पूर्णिमा के दिन मत्स्य रूप धारण किया था। मान्यता यह भी है कि कार्तिक मास में नारायण मत्स्य रूप में जल में विराजमान रहते हैं और इस दिन मत्स्य अवतार को त्यागकर वापस बैकुंठ धाम चले जाते हैं।

सिख धर्म में महत्व

कार्तिक पूर्णिमा का सिख धर्म में भी विशेष महत्व है, क्योंकि इसी दिन गुरु नानक देव जी का जन्म हुआ था। सिख धर्म में इसे गुरु पर्व के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर गुरुद्वारों में विशेष पूजा पाठ और लंगर का आयोजन किया जाता है। सिख समुदाय के लोग इस दिन गुरु नानक देव जी के उपदेशों का स्मरण करते हैं और उनके सिद्धांतों का पालन करने का संकल्प लेते हैं।

ब्रह्मा जी का अवतरण

पौराणिक मान्यता के अनुसार इस दिन सृष्टिकर्ता भगवान ब्रह्मा का अवतरण पुष्कर के पवित्र सरोवर में हुआ था। इस दिन ब्रह्माजी ने अपनी रचना शक्ति का उपयोग करके जीवों, पृथ्वी और प्रकृति का सृजन किया था, जिससे सृष्टि में जीवन का संचार हुआ। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर लाखों की संख्या में तीर्थयात्री ब्रह्मा की नगरी पुष्कर आते हैं। पवित्र पुष्कर सरोवर में स्नान करने के पश्चात ब्रह्मा जी के मंदिर में पूजा-अर्चना कर दीपदान करते हैं और देवों की कृपा पाते है।

पिता राहुल द्रविड़ के नक्शे-कदम पर चल रहे अन्वय

खेलेंगे अंडर-19 वनडे चैलेंजर ट्रॉफी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज बल्लेबाज और मौजूदा कोच राहुल द्रविड़ के छोटे बेटे अन्वय द्रविड़ को मेंस अंडर-19 वनडे चैलेंजर ट्रॉफी के लिए चुना गया है। यह टूर्नामेंट बुधवार से हैदराबाद में शुरू होगा। अन्वय, जो एक टॉप-ऑर्डर बल्लेबाज और विकेटकीपर हैं, को टीम सी में जगह मिली है। यह टूर्नामेंट हर साल आयोजित किया जाता है और युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का सुनहरा मौका देता है।

भाई समित के बाद अब अन्वय की बारी

अन्वय के बड़े भाई समित द्रविड़ पहले ही महाराजा टी20 केएससीए ट्रॉफी में कुछ मैच खेल चुके हैं। अन्वय की बल्लेबाजी शैली आक्रामक बताई जाती है और वे पारी की शुरुआत में ही बड़े शॉट खेलने के लिए जाने जाते हैं। बीसीसीआई ने अपने बयान में कहा, 'जूनियर चयन समिति ने मेंस अंडर-19 वनडे चैलेंजर ट्रॉफी के लिए टीमों का चयन कर लिया है। यह टूर्नामेंट पांच से 11 नवंबर, 2025 तक हैदराबाद में खेला जाएगा।'

टीम ए की कप्तानी करेंगे एरॉन जॉर्ज- टीम सी, जिसकी कप्तानी आरोन जॉर्ज करेंगे, अपना पहला मुकाबला टीम ए से खेलेगी, जिसकी कमान वेदांत त्रिवेदी के हाथों में है। यह मैच शुक्रवार को होगा।

सभी टीमों की सूची

टीम ए: विहान मल्होत्रा (कप्तान), अभिज्ञान कुण्डू (उपकप्तान व विकेटकीपर), वंश आचार्य, बालाजी राव (विकेटकीपर), लक्ष्य रायचंदानी, विनीथ वी के, मर्कंडेय पंचाल, सत्विक देसवाल, वी यशवीर, हेमचुदेशन जे, आर एस अम्बरीश, हनी प्रताप सिंह, वासु देवानी, युधाजीत गुहा, ईशान सूद।

टीम बी: वेदांत त्रिवेदी (कप्तान), हर्वंश सिंह (उपकप्तान व विकेटकीपर), वाफी कच्छी, सागर विर्क, सायन पॉल, वेदांत सिंह चौहान, प्रणव पंत, एहित सलारिया (विकेटकीपर), बी के किशोर, अनमोलजीत सिंह, नमन पुष्पक, डी दीपेश, मोहम्मद मलिक, मोहम्मद यासीन सौदागर, वैभव शर्मा।

टीम सी: एरॉन जॉर्ज (कप्तान), आर्यन यादव (उपकप्तान), अंकित चटर्जी, मणिकांत शिवनंद, राहुल कुमार, यश कसवांकर, अन्वय द्रविड़ (विकेटकीपर), युवराज गोहिल (विकेटकीपर), खिलन ए पटेल, कनिष्क चौहान, आयुष शुक्ला, हेनील पटेल, लक्ष्मण पृथी, रोहित कुमार दास, मोहित उलवा।

टीम डी: चंद्रहास दास (कप्तान), मौल्यराजसिंह चावड़ा (उपकप्तान), शंथनु सिंह, अर्णव बुग्गा, अभिनव कन्नन, कुशाग्र ओझा, आर्यन साकपाल (विकेटकीपर), ए रापोले (विकेटकीपर), विकल्प तिवारी, मोहम्मद इनान, आयान अक़राम, उद्धव मोहन, आशुतोष महिदा, एम तोशिथ यादव, सोलिब तारिक।

नई पीढ़ी के सितारों की परीक्षा

इस टूर्नामेंट में देश के उभरते युवा खिलाड़ियों को राष्ट्रीय टीम की ओर पहला कदम बढ़ाने का मौका मिलता है। क्रिकेट जगत में यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या अन्वय द्रविड़ अपने पिता की तरह शांत और भरोसेमंद प्रदर्शन कर पाते हैं या नहीं।

किस्मत कब कहां ले जाए कोई नहीं जानता...: हरमनप्रीत

मुंबई। भारत की महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने मुंबई के गेटवे ऑफ इंडिया पर विमेंस वर्ल्ड कप ट्रॉफी 2025 के साथ तस्वीर खिंचवाकर एमएस धोनी के प्रसिद्ध अंदाज को दोहरा दिया। रविवार, दो नवंबर को भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 52 रनों से हराकर अपना पहला महिला वनडे विश्व कप खिताब जीता था। इसके बाद हरमन ने मुंबई के गेटवे ऑफ इंडिया पर जाकर तस्वीरें खिंचवाईं। इसका वीडियो भी बीसीसीआई ने शेयर किया है। वही पोज, जो एमएस धोनी ने 2011 में भारत की पुरुष टीम को वर्ल्ड कप जिताने के बाद दिया था। आईसीसी ने इन तस्वीरों को अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर भी साझा किया है।

'जिस चीज का सपना देखा, अब वह पूरा हो चुका'- हरमनप्रीत ने कहा, 'विश्व कप जीतकर हम तीन-चार घंटे सो पाए, लेकिन फिर भी काफी फ्रेश महसूस कर रही हूं। ऐसा कभी-कभी ही होता है। नहीं तो आठ घंटे की नींद तो चाहिए ही चाहिए। यह इस बात पर निर्भर करता है कि जब आप चैंपियन बन जाते हो, जीत जाते हो तो क्या महसूस करते हो।

'जिंदगी के कुछ पलों को कैप्चर करने...'

वीडियो में हरमनप्रीत कहती हैं, 'आज हम कहां जा रहे हैं! हम जा रहे हैं जिंदगी के कुछ ऐसे पलों को कैप्चर करने, जिसका बचपन से सपना देखा था। जीतने के बाद...ट्रॉफी के साथ...मैं इसका कई वर्षों से सपना देख रही थी। और अब वह दिन आ चुका है। और मैं इसके लिए काफी उत्साहित हूं।'

'मेरे लिए यह काफी भावुक कर देने वाला पल'

वीडियो में आगे हरमनप्रीत कहती हैं, 'मेरे लिए यह काफी भावुक कर देने वाला पल है, क्योंकि जैसे पहले भी मैंने बोला कि यह बचपन से मेरा सपना था। जब से टीवी देखना शुरू किया और क्रिकेट खेलना शुरू किया, तब से मेरा सपना था कि विश्व कप जीतना है और अगर मैं कप्तान होऊंगी तो मैं उसे मिस नहीं करूंगी।

'बचपन से मेरे हाथों में बल्ला ही रहा है...'

हरमनप्रीत ने कहा, 'जब छोटे बच्चे यह सोचना शुरू करते हैं कि उन्हें क्या पसंद और क्या नापसंद है, तब से मैंने अपने हाथ में सिर्फ बल्ला ही देखा है। मुझे अभी भी याद है कि पापा के किट में से बैट लेकर हम खेलते थे। एक दिन पापा ने अपना पुराना बैट हमें दे दिया और हम उससे खेलते थे। जब हम टीवी पर टीम इंडिया को खेलते हुए देखते थे, तो सोचते थे कि हमें भी यही मौका चाहिए। तब मैं महिला क्रिकेट के बारे में ज्यादा नहीं जानती थी, लेकिन इस बात का सपना देखती थी कि कब मैं ये ब्लू जर्सी पहनूंगी।'

'यह मत सोचें कि कब होगा कैसे होगा...'

हरमनप्रीत ने कहा, 'यही बात महत्वपूर्ण है कि कई लड़कियां महिला क्रिकेट के बारे में ज्यादा नहीं जानतीं, लेकिन देश में बदलाव लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसलिए सपना देखना कभी नहीं छोड़ना चाहिए। आपको पता नहीं है कि आपकी डेस्टिनी आपको कहां लेकर चली जाएगी और यह मत सोचें कि कब होगा कैसे होगा। सिर्फ ये सोचो कि ये होगा। मेरे अंदर यही आत्मविश्वास था कि ये होगा और अब वह हो चुका है।'

धोनी, कपिल और रोहित के क्लब में शामिल

इस ऐतिहासिक जीत के साथ ही हरमनप्रीत कौर अब भारत की चौथी कप्तान बन गई हैं जिन्होंने विश्व कप जीत का ताज पहना है। उनसे पहले कपिल देव, एमएस धोनी और रोहित शर्मा भारत को विश्व चैंपियन बना चुके हैं। यानी अब महिलाओं की कप्तान हरमनप्रीत ने भी इस गौरवशाली सूची में अपनी जगह बना ली है। यह भारत की महिलाओं का पहला वर्ल्ड कप खिताब है, जिसने 2005 और 2017 के फाइनल हार की टीस को भुलाने में मदद की।

विश्वकप के दूसरे दौर में पहुंचे ग्रैंडमास्टर नारायणन

भारतीय खिलाड़ी ने पेरू के स्टीवन को दी मात

पणजी (गोवा)। भारत के एसएल नारायणन ने पेरू के स्टीवन रोजास को हराकर शतरंज विश्वकप 2025 के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया है। वह टाई ब्रेकर के जरिए राउंड ऑफ-128 में पहुंचने वाले पहले गैरवरीय खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने पेरू के ग्रैंडमास्टर स्टीवन रोजास को 3-1 से मात दी।

पहले दो मुकाबले ड्रॉ रहने के बाद उन्होंने शानदार खेल दिखाया और दो मुकाबले अपने नाम किए। अब उनका मुकाबला इंग्लैंड के निकिता वित्यूगोव से होगा। उनके बाद भारत के दिप्तायन घोष ने चीन के पेंग शियोंगजियन से दोनों टाई-ब्रेकर गेम जीतकर क्वालिफाई किया। वह दूसरे दौर में अमेरिकी इयान नेपोम्नियाची से भिड़ेंगे। वी प्रणव ने अल्जीरिया के अला एद्दिने बौलरेन्स को 2-0 से, रौनक साधवानी ने डेनियल बैरिश को 1.5-0.5 से, एम प्रणेश ने सतबेक अख्मेदिनोव को 1.5-0.5 से मात दी। एजेंसी

पहले ही दौर में हारकर बाहर हुईं दिव्या देशमुख

विश्वकप में एकमात्र महिला खिलाड़ी ग्रैंडमास्टर दिव्या देशमुख पहले दौर में ही हारकर बाहर हो गईं। उन्हें पहले दौर में ग्रीस के ग्रैंडमास्टर स्टामाटिस कौरकौलोस-आर्दितिस से दोनों मुकाबले हारकर बाहर हो गईं। भारत के अन्य शीर्ष खिलाड़ी डी.गुकेश, आर प्रगनानंदा, अर्जुन एरिगैसी, विदित गुजराती को पहले दौर में बाय मिला है। वह अगले दौर में खेलते नजर आएंगे।

लखनऊ सुपर जाएंट्स से जुड़े टॉम मूडी

लखनऊ। इंडियन प्रीमियर लीग की टीम लखनऊ सुपर जाएंट्स ने बड़ा फैसला लेते हुए ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ऑलराउंडर टॉम मूडी को ग्लोबल डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट नियुक्त किया है। मूडी आगामी आईपीएल सीजन से टीम की रणनीति, स्काउटिंग और डेवलपमेंट प्रोग्राम की निगरानी करेंगे।

अनुभव, विजन और लीडरशिप हैं मूडी की ताकत- लखनऊ फ्रेंचाइजी ने सोशल मीडिया पर मूडी का स्वागत करते हुए पोस्ट लिखा, 'अनुभव, दृष्टि और नेतृत्व...सुपर जाएंट्स परिवार में आपका स्वागत है, टॉम मूडी!'

60 वर्षीय मूडी को क्रिकेट जगत में एक अनुभवी कोच और रणनीतिकार के रूप में जाना जाता है। उन्होंने इससे पहले दो बार सनराइजर्स हैदराबाद के साथ कोचिंग की है। साल 2022 में ब्रायन लारा ने जब हैदराबाद की कोचिंग संभाली, तब मूडी ने फ्रेंचाइजी छोड़ी थी।

निभाएंगे बड़ी भूमिका, रणनीति बनाने में हैं माहिर

खिलाड़ी के रूप में शानदार करियर- टॉम मूडी ने ऑस्ट्रेलिया के लिए आठ टेस्ट और 76 वनडे मैच खेले, जिनमें उन्होंने कुल 1667 रन बनाए और 54 विकेट लिए। हालांकि, घरेलू स्तर पर वे एक शेफील्ड शील्ड लीजेंड माने जाते हैं। उन्होंने 21,000 से अधिक प्रथम श्रेणी रन, 64 शतक और 361 विकेट अपने नाम किए।

एलएसजी के लिए क्या मायने रखता है यह फैसला- लखनऊ सुपर जाएंट्स पिछले दो सीज़नों से आईपीएल में मजबूत प्रदर्शन कर रही है, लेकिन अब तक खिताब से दूर रही है।

महिला विश्व कप

ICC की टीम ऑफ द टूर्नामेंट में सिर्फ तीन भारतीय खिलाड़ी

दुबई। भारत की वर्ल्ड कप विजेता टीम की तीन धाकड़ खिलाड़ी, स्मृति मंधाना, जेमिमा रॉड्रिग्स और दीप्ति शर्मा को आईसीसी महिला वनडे विश्व कप टीम ऑफ द टूर्नामेंट में जगह मिली है। इन तीनों खिलाड़ियों ने भारत की ऐतिहासिक जीत में अहम भूमिका निभाई थी। भारत ने रविवार को फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 52 रनों से हराकर अपना पहला महिला विश्व कप खिताब जीता था। हालांकि, यह चौंकाने वाला रहा कि टूर्नामेंट में निरंतर प्रदर्शन करने वालीं प्रतिका रावल इस टीम में नहीं हैं। वह सेमीफाइनल से पहले चोटिल होकर टूर्नामेंट से बाहर हो गई थीं। इसके अलावा उपविजेता दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया की भी तीन-तीन खिलाड़ियों को ही जगह मिली है।

भारतीय खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन- स्मृति मंधाना ने पूरे टूर्नामेंट में 434 रन बनाए और उनका औसत 54.25 का रहा। उन्होंने एक शतक और दो अर्धशतक जड़े। न्यूजीलैंड के खिलाफ 109 रनों की पारी उनकी सबसे यादगार रही, जबकि ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के खिलाफ उन्होंने 80 और 88 रनों की पारियां खेलीं।

राइजिंग स्टार एशिया कप के लिए भारतीय टीम घोषित

जितेश कप्तान, वैभव-प्रियांश को भी मौका

मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आगामी राइजिंग स्टार्स एशिया कप 2025 के लिए भारत ए टीम की घोषणा कर दी है। जितेश शर्मा को टीम की कप्तानी सौंपी गई है, जबकि युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी और आईपीएल स्टार प्रियांश आर्या को टीम में जगह मिली है। यह टूर्नामेंट 14 से 23 नवंबर तक दोहा (कतर) में खेला जाएगा। भारतीय टीम को ग्रुप बी में रखा गया है, जिसमें ओमान, यूएई और पाकिस्तान की टीमें भी शामिल हैं। वहीं ग्रुप ए में बांग्लादेश, श्रीलंका, अफगानिस्तान और हॉन्गकॉन्ग की टीमें शामिल हैं।

जितेश शर्मा कप्तान, आईपीएल सितारे टीम का हिस्सा- जितेश शर्मा, जो फिलहाल ऑस्ट्रेलिया में भारतीय टीम के साथ पांच मैचों की टी20 सीरीज खेल रहे हैं, अब एशिया कप में भारत ए की अगुआई करेंगे। वह रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की खिताब विजेता टीम का हिस्सा भी रह चुके हैं और कप्तानी भी संभाल चुके हैं। जितेश ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टी20 में 22 रन की नाबाद पारी खेलकर भारत को जीत दिलाई थी। उनके अनुभव और नेतृत्व से युवा खिलाड़ियों को बड़ा फायदा मिलने की उम्मीद है।

वैभव सूर्यवंशी और प्रियांश आर्या को भी मौका- 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी इस टूर्नामेंट के सबसे युवा खिलाड़ी हैं। वह इस साल आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स के लिए 101 रन की ऐतिहासिक पारी खेलकर टी20 क्रिकेट के सबसे कम उम्र के सेंचुरियन बने थे। उन्होंने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ अंडर-19 टेस्ट में भी शतक जमाया था। वहीं, प्रियांश आर्या, जिन्होंने पंजाब किंग्स के लिए शानदार प्रदर्शन किया था, ने सितंबर में भारत ए बनाम ऑस्ट्रेलिया ए के अनाधिकारिक वनडे में भी शतक जड़ा था।

भारत ए टीम

जितेश शर्मा (कप्तान एवं विकेटकीपर), नमन धीर (उपकप्तान), प्रियांश आर्या, वैभव सूर्यवंशी, नेहल वढेरा, सूर्यांश शेडगे, रमनदीप सिंह, हर्ष दुबे, यश ठाकुर, गुरजपनीत सिंह, विजय कुमार वैशाक, युधवीर सिंह चारक, अभिषेक पोरेल (विकेटकीपर), सुयश शर्मा, आशुतोष शर्मा। स्टैंडबाय खिलाड़ी: गुरनूर सिंह बरार, कुमार कुशाग्र, तनुश कोटियन, समीर रिजवी, शेख रशीद।

राइजिंग स्टार्स एशिया कप का प्रारूप

यह टूर्नामेंट पहले इंडिया इमर्जिंग कप के नाम से जाना जाता था, जो मुख्य रूप से अंडर-23 टूर्नामेंट था। इसे इमर्जिंग टीम एशिया कप भी कहा गया है, लेकिन अब भारत समेत कई देशों ने इसमें युवा और सीनियर खिलाड़ियों का मिश्रण शामिल किया है ताकि प्रतिभा और अनुभव का संतुलन बना रहे। अब तक इस टूर्नामेंट के छह संस्करण हो चुके हैं। पिछले छह संस्करणों में भारत सिर्फ एक बार साल 2013 में पहले संस्करण में चैंपियन बना था। तब भारत ने पाकिस्तान को हराया था। इसके बाद 2017 और 2018 में श्रीलंका की टीम ने खिताब जीता। 2019 और 2023 में पाकिस्तान ने खिताब पर कब्जा जमाया, जबकि 2024 में अफगानिस्तान की टीम चैंपियन बनी।

फाइनल से पहले अमनजोत का ध्यान न भटके

इसलिए परिवार वालों ने छुपाई थी दादी के हार्ट अटैक की बात

नई दिल्ली। भारत की महिला क्रिकेट टीम ने इतिहास रचते हुए पहली बार महिला वनडे वर्ल्ड कप जीता। नवी मुंबई के डी.वाई. पाटिल स्टेडियम में हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में टीम ने दक्षिण अफ्रीका को 52 रनों से हराकर खिताब अपने नाम किया। लेकिन इस जीत के पीछे एक भावनात्मक कहानी छिपी थी। कहानी ऑलराउंडर अमनजोत कौर की, जिसे उसके परिवार ने एक बड़ी सच्चाई से दूर रखा, ताकि उसका ध्यान सिर्फ क्रिकेट पर रहे।

दादी को आया दिल का दौरा- अमनजोत के पिता भूपिंदर सिंह, जो पेशे से बढ़ई और ठेकेदार हैं, अपनी 75 वर्षीय मां भगवंती कौर को पिछले हफ्ते दिल के दौरे के बाद अस्पताल ले जा रहे थे, लेकिन उन्होंने यह बात अपनी बेटी अमनजोत से छुपा ली। कारण था- वर्ल्ड कप का फाइनल और बेटी का ध्यान खेल में बनाए रखना। भूपिंदर ने बताया, 'अमनजोत को एहसास हो गया था कि 'बीजी' (दादी) ठीक नहीं हैं। पहले उसने अपनी बहन को फोन किया, तो उसने कहा कि वह गुरुद्वारे में हैं। फिर उसने मुझे फोन किया और कहा कि बीजी से वीडियो कॉल कराओ। काफी जोर देने के बाद मैंने अपनी मां से कहा कि आज उसकी जिंदगी का सबसे बड़ा मैच है, उसे शुभकामनाएं दो। बीजी ने उसे 'ऑल द बेस्ट' कहा।'

भूपिंदर ने अमनजोत से छिपाई सच्चाई!- भूपिंदर ने बताया, 'मैंने अमनजोत से कहा कि बीजी की तबीयत थोड़ी ठीक नहीं है, बस लो बीपी है, पर दिल के दौरे की बात नहीं बताई। फाइनल के बाद ही हमने सच्चाई बताई।' इसी एक ऑल द बेस्ट ने अमनजोत की जिंदगी बदल दी। उनके आशीर्वाद ने अमनजोत को विश्व चैंपियन बना दिया। भूपिंदर ने आगे बताया कि अब अमनजोत ने डॉक्टरों से बात की है और दादी के आगे के टेस्ट होने वाले हैं।

'वो मेरी पोती नहीं, मेरे पोते से भी बढ़कर है', बोलीं दादी- दिल का दौरा झेल चुकी भगवंती कौर आज भी अपनी पोती पर गर्व महसूस करती हैं। उन्होंने कहा, 'वो मेरी पोती ही नहीं, मेरे पोते से भी बढ़कर है।' जब अमनजोत बचपन में मोहल्ले के लड़कों के साथ क्रिकेट खेलती थी, तो भगवंती एक कुर्सी लेकर पार्क में बैठ जाती थीं। वे यह भी देखती थीं कि कोई उसकी पोती को तंग न करे।

उत्तर रेलवे

ई-टेंडरिंग

खुली निविदा सूचना संख्या एनआईटी-15/2025-26 दिनांक 03.11.2025

सीनियर डिविजनल इलेक्ट्रिकल इंजीनियर/जी, उत्तर रेलवे, अंबाला द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से ई-निविदा के माध्यम से इच्छुक ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य के लिए **15:00** बजे तक या कार्य के सामने दिखाई गई समाप्ति की तिथि तक खुली निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं।

निविदा संख्या	30-विद्युत-21/2025-26 (ओपन टेंडर)		
कार्य का नाम	अंबाला मंडल में लिफ्टों, एस्केलेटरों, स्ट्रीट लाइटों, सब-स्टेशनों, 70%/30% प्लेटफार्म प्रकाश व्यवस्था और सेवा भवन के ऊर्जा प्रबंधन के रिमोट कंट्रोल और निगरानी के प्रावधान से संबंधित विद्युत कार्य।		
लगभग लागत	₹ 26525730.25	बोली प्रतिभूति	₹ 282600.00
पूर्ण होने की	04 महीने	बंद करने और खोलने की तिथि	25.11.2025

1. निविदाकर्ताओं को शर्तों के अनुसार PAN/ TIN/ GST सहित सभी संबंधित पात्र दस्तावेजों की स्कैन की हुई प्रतियों को अपलोड करना आवश्यक है। 2. आवश्यक बोली सुरक्षा नेट बैंकिंग/ या भुगतान गेटवे के माध्यम से केवल निविदा की अंतिम तिथि और समय के **15:00** बजे से पहले ही ऑनलाइन भुगतान स्वीकार्य होगी। 3. कार्य निविदाओं की ई-निविदा में भाग लेने के लिए निविदाकर्ताओं के पास तृतीय श्रेणी का डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र होना चाहिए। 4. विवरण के लिए, कृपया आईआरईपीएस वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर लॉग ऑन करें/ 5. जीएसटी अधिनियम 2017 के अनुसार जीएसटी लगाया जाएगा।

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

3434/2025

न्यूज डायरी

आर्य समाज, सेक्टर 7 का 67वां वार्षिक उत्सव 5 से

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। आर्य समाज, सेक्टर 7 बी का 67वां वार्षिक उत्सव 5 से 9 नवम्बर तक आयोजित होगा। उत्सव के आकर्षण प्रतिदिन यजुर्वेद पारायण यज्ञ, विद्वानों द्वारा भक्तिमय सत्संग, वैदिक, धार्मिक साँस्कृतिक चारित्रिक सामाजिक एवं राष्ट्रीय भावनाओं से ओत-प्रोत तथा देश की ज्वलंत समस्याओं पर आधारित व्याख्यान, सुमधुर भजन एवं ऋषि लंगर आदि होंगे। 5 नवंबर से 9 नवंबर तक प्रातःकालीन कार्यक्रम के अंतर्गत प्रातः 7:30 से 9:00 बजे तक यज्ञ, भजन एवं आशीर्वचन होंगे। आचार्य विरेन्द्र शास्त्री जी - सहारनपुर यज्ञ ब्रह्मा के तौर पर उपस्थित रहेंगे। यज्ञ संयोजक आचार्य अमितेश कुमार पुरोहित होंगे। पं. भूपेन्द्र सिंह आर्य-भजनोपदेशक भक्तिमय संगीत प्रस्तुत किए जाएंगे। सायं कालीन कार्यक्रम के अंतर्गत 5:30 से 6:30 तक भक्ति भाव से परिपूर्ण भजन-गीत एवं वैदिक व्याख्यान भजन पं. भूपेंद्र आर्य भजनोपदेशक-मुजफ्फरनगर और 6:30 से 7:15 तक वीरेंद्र शास्त्री जी-सहारनपुर का व्याख्यान होगा। रविवार 9 नवम्बर को मुख्य उत्सव के अंतर्गत प्रातः 7:30 से 9:00 बजे यज्ञ, भजन एवं आशीर्वचन होंगे। प्रातः 9:30 से 10:30 तक पं. भूपेंद्र सिंह आर्य भजनोपदेश के भजन होंगे। प्रातः 10:31 से 11:10 तक आचार्य जयवीर वैदिक-पंचकूला का व्याख्यान होगा। प्रातः 11:11-11:30 तक भजन- के.वी.डी.ए.वी. विद्यालय के छात्रों द्वारा प्रस्तुत किए जाएंगे। प्रातः 11:31-11:40 : वार्षिक विवरण मंत्री आर्य समाज द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा। प्रातः 11:41-12:00: विद्वानों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं का सम्मान होगा। दोपहर 12:01-12:40 :तक भजन-पं. भूपेंद्र सिंह आर्य भजनोपदेशक के होंगे। दोपहर 12:41-01:30 : आचार्य विरेन्द्र शास्त्री जी, सहारनपुर का उद्बोधन होगा। शांति पाठ एवं ऋषि लंगर से कार्यक्रम संपन्न होगा।

चंडीगढ़ के प्रसिद्ध डाइटीशियन और फिटनेस कोच अमृत देओल ने जुझार सिंह को किया सम्मानित

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। चमकौर साहिब के जुझार सिंह ने अबू धाबी में इतिहास रच दिया है और भारत के पहले पावर स्लैप चैंपियन बनकर देश का नाम रोशन किया है। इस अवसर पर चंडीगढ़ के प्रसिद्ध सेलिब्रिटी डाइटीशियन अमृत देओल ने गुरुद्वारा कतलगढ़ साहिब और गढ़ी साहिब में आयोजित एक विशेष समारोह में जुझार सिंह और उनके पिता को सम्मानित किया।
अमृत देओल ने घोषणा की कि वह और उनकी टीम जुझार सिंह को जीवन भर यथासंभव आर्थिक और आहार सहायता प्रदान करेंगे। ताकि वह अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर और भी बड़ी सफलताएँ हासिल कर सकें। इस अवसर पर जुझार सिंह ने भी अमृत देओल का धन्यवाद किया और कहा कि हर खिलाड़ी की एक ही समस्या होती है, यानी उसे स्वस्थ आहार मिलता है या नहीं और मुझे अमृत देओल से इसका सहयोग मिला है। मैं अमृत देओल के साथ जुड़कर गौरवान्वित महसूस करता हूँ।
इस मौके पर गुरुद्वारा प्रधान समेत कई मशहूर हस्तियां जैसे जसपाल सिंह देयोल, बलराज गिल (मोहाली), लल्ली घरुआं, जुझार गरचा और कालू गरचा (कबड्डी खिलाड़ी) इत्यादि मौजूद रहे।

अभिव्यक्ति: एमसीएम में हिंदी ग़ज़ल उत्सव का भव्य आयोजन

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मेहर चंद महाजन डीएवी महिला महाविद्यालय, चंडीगढ़ के स्नातकोत्तर हिंदी विभाग ने हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के सहयोग से 'अभिव्यक्ति' — हिंदी ग़ज़ल कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसने साहित्यिक अभिव्यक्ति और शिक्षण को सुंदर रूप में एक साथ पिरोया। कार्यक्रम में हिंदी ग़ज़ल पर कार्यशाला और ग़ज़ल गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिससे ज्ञान और रचनात्मकता का समृद्ध संगम प्रस्तुत हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय साहित्य अकादमी, नई दिल्ली के अध्यक्ष डॉ. माधव कौशिक उपस्थित रहे। विशेष अतिथि के रूप में पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. अशोक कुमार तथा विषय विशेषज्ञ के रूप में सुप्रसिद्ध लेखक श्री राजेन्द्र टोकी उपस्थित रहे। हिंदी ग़ज़ल गोष्ठी में प्रसिद्ध ग़ज़लकार और कवि— डॉ. माधव कौशिक, डॉ. बलवेन्द्र सिंह, डॉ. अनीश गर्ग (उपाध्यक्ष, चंडीगढ़ साहित्य अकादमी), डॉ. कमल पुरी और सुश्री राखी अल्प — ने अपनी प्रभावशाली रचनाओं से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। अपने सारगर्भित सत्र में विषय विशेषज्ञ श्री राजेन्द्र टोकी ने नज़्म और ग़ज़ल के अंतर को स्पष्ट करते हुए ग़ज़ल की फ़ारसी उत्पत्ति, उर्दू और हिंदी परंपराओं में उसके विकास तथा उसमें हुए विविध प्रयोगों पर प्रकाश डाला। उन्होंने हिंदी ग़ज़ल में दुष्यंत कुमार के योगदान, तथा इस विधा में निहित प्रेम, अध्यात्म और दर्शन के गहरे भावों का उल्लेख किया। उन्होंने ग़ज़ल की सामाजिक प्रासंगिकता को इसकी विशिष्ट पहचान बताते हुए उसके तकनीकी पक्षों — जिनमें क़ाफ़िया, रदीफ़, मिसरा, मतला, मक़ता और वज़न की भी विस्तार से व्याख्या की। कॉलेज की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत मधुर ग़ज़लों ने पूरे समारोह को सजीव बना दिया। ग़ज़ल गोष्ठी के दौरान कवियों की प्रस्तुतियों ने श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। कार्यवाहक प्राचार्या श्रीमती नीना शर्मा ने इस आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम साहित्य एवं संस्कृति को बढ़ावा देने के साथ-साथ भारत की समृद्ध भाषाई और कलात्मक धरोहर को सहेजने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

हरियाणा स्थापना दिवस पर राज्य की संस्कृति, सेवा और स्वाभिमान का हुआ भव्य उत्सव

पंचकूला: हरियाणा सरकार द्वारा आयोजित 60वें हरियाणा स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर तीन दिवसीय सांस्कृतिक बेला एवं प्रदर्शनी का समापन समारोह आज पंचकूला के यवनिका ग्राउंड, सेक्टर-5 में अत्यंत उत्साह और गौरव के साथ सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की।

गुरु तेगबहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस पर नगर कीर्तन यात्रा की तैयारियों को लेकर उपायुक्त की अध्यक्षता में बैठक आयोजित

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। श्री गुरु तेगबहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में 11 नवंबर को पिंजौर के मड्डावाला से शुरू होने वाली नगर कीर्तन यात्रा के आयोजन को लेकर आज पंचकूला के पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस, सेक्टर-1 में उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। उन्होंने बताया कि हरियाणा

- **11 नवंबर को पंचकूला में शुरू होगी गुरु तेगबहादुर जी की 350वीं शहीदी दिवस नगर कीर्तन यात्रा**
- **मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी नगर कीर्तन यात्रा को झंडी दिखाकर करेंगे रवाना**

के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी इस दिन अरदास में शामिल होंगे और नगर कीर्तन यात्रा को झंडी दिखाकर रवाना करेंगे।
बैठक में उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा, सूचना जनसंपर्क एवं भाषा विभाग में ओएसडी डॉ. प्रभलिन सिंह और एचईआरसी सदस्य श्री मुकेश गर्ग ने आयोजन से जुड़ी तैयारियों की समीक्षा की तथा अधिकारियों और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों से विस्तृत चर्चा की।
बैठक में हरियाणा विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता, बीजेपी प्रदेश उपाध्यक्ष बंतो कटारिया, अतिरिक्त उपायुक्त निशा यादव, डीसीपी क्राइम एंड ट्रैफिक मनप्रीत सूदन, एसडीएम चंद्रकांत कटारिया, नगराधीश जागृति, हरियाणा गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सदस्य, गुरुघरों के ग्रंथी, हैड ग्रंथी और सिख समाज के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। वहीं राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा और मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव तरुण भंडारी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में भाग लिया।
उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा ने बताया कि यह यात्रा 11 नवंबर को पिंजौर के मड्डावाला से शुरू होकर 14 नवंबर तक जिले के विभिन्न रूटों से गुजरेगी, जहाँ समाज के सभी वर्गों द्वारा भव्य स्वागत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यात्रा की सफल आयोजन के लिए सभी विभागों को समय से पूर्व सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं। यात्रा के दौरान पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती रहेगी।
ओएसडी डॉ. प्रभलिन सिंह ने बताया कि श्रीगुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस को प्रदेशभर में गरिमापूर्ण तरीके से मनाया जाएगा। इस उपलक्ष्य में पहली नवंबर से 25 नवंबर तक विभिन्न भव्य कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिनका समापन 25 नवंबर को कुरुक्षेत्र में राज्य स्तरीय कार्यक्रम के साथ होगा।
उन्होंने कहा कि गुरु तेगबहादुर जी का जीवन और बलिदान पूरी मानवता के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने बताया कि नगर कीर्तन यात्रा 11 नवंबर को गुरुद्वारा मंजी साहिब पिंजौर, 12 नवंबर को गुरुद्वारा बक्शीवाला, 13 नवंबर को गुरुद्वारा नाडा साहिब और 14 नवंबर को गुरुद्वारा मानक टाबरा में रात्रि विश्राम करेगी। 15 नवंबर को यात्रा अपने अगले गंतव्य की ओर रवाना होगी। रात्रि ठहराव के दौरान स्थानीय संगत को ऐलईडी वैन के माध्यम से गुरु जी के जीवन पर आधारित लघु फिल्म दिखाई जाएगी ।पंचकूला में गुरु तेगबहादुर जी के जीवन पर आधारित लाइट एंड साउंड शो का भी आयोजन किया जाएगा।
एचईआरसी सदस्य मुकेश गर्ग ने बताया कि शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में पंचकूला के महाविद्यालयों में गुरु तेगबहादुर जी के जीवन पर सेमिनार आयोजित किए जाएंगे ताकि युवा पीढ़ी उनके जीवन, शिक्षाओं और बलिदान से प्रेरणा ले सके। यात्रा में मंदिर समितियों, एनजीओ और सामाजिक संस्थाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।
इस अवसर पर गुरुद्वारों से आए ग्रंथियों, हैड ग्रंथियों और सिख समाज के प्रतिनिधियों ने नगर कीर्तन यात्रा के सफल आयोजन के लिए अपने बहुमूल्य सुझाव भी दिए।

एक दिवसीय क्षमता विकास एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। निदेशक, अर्थ एवं सांख्यिकीय कार्य विभाग में जिला सांख्यिकीय अधिकारी श्री मनोज कुमार गोयल ने बताया कि सटीक, समयबद्ध व विश्वसनीय आंकडे ही सुशासन की नींव होते हैं।
श्री गोयल सेक्टर-4 स्थित योजना भवन में आयोजित एक दिवसीय क्षमता विकास एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम के अवसर पर उपस्थित अधिकरियों व कर्मचारियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश प्रदेश को विकसित बनाने में आंकडों का महत्वपूर्ण योगदान होता है, हर कर्मचारी को आंकडों के संकलन व विशलेषण की सही जानकारी होनी चाहिए ताकि उससे सही परिणाम आगे आ सके।
मौके पर उपस्थित अतिरिक्त निदेशक श्री राजेन्द्र कुमार मोर, तथा श्री जगदीश जलंधरा, संयुक्त निदेशक ने बताया कि आज से हरियाणा के सभी जिलों में प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन किए जाएंगे। यह कार्यक्रम पूरे माह राज्यभर में चलेगा। आज इस कार्यशाला का पंचकूला से आयोजन शुरू किया गया है। इस कार्यक्रम में राज्य के लगभग 1200 अधिकारियों व कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया जाऐगा।
इस कार्यक्रम का उद्धेश्य विभाग और अन्य संबंधित विभागों के बीच समन्वय को और सुदृढ़ करना तथा आंकडों के संकलन और रिपोर्टिंग प्रक्रिया की समझ को बढ़ाना है ताकि विकास योजनाओं, नीति निर्माण और प्रगति के मूल्यांकन के लिए गुणवत्तापूर्ण आंकडे प्राप्त किए जा सकें।
उपनिदेशक सुश्री लक्की अरोड़ा ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में कहा कि विभाग द्वारा राज्य की आर्थिक एवं सामाजिक प्रगति की गति को दर्शाने वाले मुख्य संकेतको की गणना नियमित रूप की जाती है। ये संकेत राज्य की प्रगति का आकलन करने और साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण में अत्यंत उपयोगी है।
प्रशिक्षण कार्यक्रम में विशेषज्ञ श्रीमती दविन्द्र कौर, विभागाध्यक्ष अर्थशास्त्र द्वारा गुणवत्तापूर्ण डेटा संकलन, रिपोर्टिंग में सुधार सम्बन्धित विषय में उपयोगी जानकारी दी गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित कर्मचारियों को सुनियोजित डाटा तथा रिपोर्ट तैयार करने बारे प्रशिक्षित किया गया।

फतेहाबाद के 'जैक' और 'रैम्बो': स्वान टीम के दो सितारे जिन्होंने बदल दिया ऑपरेशन का रुख

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। आमतौर पर पुलिस की वीरता की कहानियों में इंसानी चेहरों का जिक्र होता है, मगर फतेहाबाद पुलिस की एक हालिया और ऐतिहासिक कामयाबी के पीछे दो ऐसे वीर योद्धा हैं, जो चार पैरों पर चलते हैं लेकिन जिनकी नाक ने बड़े-बड़े अपराधियों की नींदें उड़ा दीं। ये हैं - स्वान टीम के प्रशिक्षित स्वान (डॉग) 'जैक' और 'रैम्बो'। इन दोनों ने अपनी सूंघने की अद्भुत क्षमता और पुलिस बल के साथ तालमेल के ज़रिए 'ऑपरेशन जीवन ज्योति' को एक नई ऊंचाई पर पहुंचा दिया है।

ये केवल डॉग नही बल्कि हमारी टीम के हैं अग्रिम योद्धा-डीजीपी हरियाणा

पुलिस महानिदेशक ओ पी सिंह ने इस ऑपरेशन की सराहना करते हुए कहा कि जैक और रैम्बो जैसे स्वान अब केवल पुलिस के सदस्य नहीं बल्कि असली हीरो हैं। उन्होंने कहा कि ये स्वान हमारी आंख और नाक बनकर काम करते हैं और आपराधिक नेटवर्क को जड़ से उखाड़ फेंकने में यह स्वान-शक्ति बेहद कारगर साबित हो रही है। उन्होंने कहा कि हरियाणा पुलिस अपराधियों के खिलाफ ज़ीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है, और आगे भी ऐसे अभियान लगातार चलाए जाएंगे।

गुप्त सूचना और गोरखपुर की धरपकड़

सोमवार की सुबह, जब भूना थाना प्रभारी उपनिरीक्षक ओम प्रकाश के नेतृत्व में पुलिस टीम गुप्त सूचना के आधार पर गोरखपुर गांव में एक संदिग्ध घर की तलाशी के लिए निकली, तो साथ थे जैक और रैम्बो भी। मौके पर पहुंचते ही जैक ने अपनी सधी चाल और तीव्र सूंघने की शक्ति से संदिग्धता जताई और घर के एक हिस्से पर ध्यान केंद्रित किया। रैम्बो भी उसी दिशा में इशारा करता हुआ आगे बढ़ा, जिससे पुलिस टीम का शक और गहरा हुआ।

गुप्त कक्ष का खुलासा और बरामदगी

दोनों स्वानों की सतर्कता ने कमांडो दस्ता को तुरंत सक्रिय किया और घर के भीतर बने एक गुप्त कक्ष का पता चल गया। इस कक्ष में छिपाए गए हथियारों और कारतूसों ने इस पूरे नेटवर्क का सच सामने ला दिया। चार अवैध हथियार, 14 जिंदा कारतूस और शराब बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाला बीस लीटर लाहन, सब कुछ इसी छुपे हुए कमरे से बरामद हुआ।

अपराधियों में हड़कंप, जनता में भरोसा

'ऑपरेशन जीवन ज्योति' की इस सफलता ने न केवल अपराधियों के नेटवर्क पर बड़ा प्रहार किया है, बल्कि आम जनता में पुलिस व्यवस्था के प्रति विश्वास को और प्रगाढ़ किया है। जैक और रैम्बो जैसे प्रशिक्षित स्वान यह साबित कर रहे हैं कि जब तकनीक, मानव कौशल और पशु शक्ति एकसाथ हो जाएं, तो अपराध और नशे के खिलाफ लड़ाई में जीत निश्चित है।

केवीआईसी द्वारा चंडीगढ़ में लागत एवं गुणवत्ता प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने पर स्टेकहोल्डर्स कंसल्टेशन वर्कशॉप का आयोजन

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। राज्य कार्यालय, खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी), अंबाला/चंडीगढ़ द्वारा होटल माउंट व्यू में आज "खादी एवं एमएसएमई सेक्टर में लागत एवं गुणवत्ता प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने" विषय पर एक स्टेकहोल्डर्स कंसल्टेशन वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस वर्कशॉप में लगभग 137 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिनमें स्पिनर्स, वीवर्स, ट्रेनर्स, अकाउंटेंट्स, खादी संस्थाओं के सचिव, स्फूर्ति (पारंपरिक उद्योगों के पुनरुद्धार के लिए निधि योजना) क्लस्टर कारीगर, पीएमईजीपी लाभार्थी, एनजीओ प्रतिनिधि, बैंकर्स, राज्य स्तरीय बैंकर्स कमेटी के सदस्य, यूटीएलबीसी तथा अन्य संबद्ध अधिकारी उपस्थित रहे।
अपने संबोधन में केवीआईसी, अंबाला/चंडीगढ़ के निदेशक ने वर्कशॉप के उद्देश्य और इसकी तीन-स्तरीय संरचना—क्लस्टर-स्तरीय वर्कशॉप्स, ज़ोनल सम्मेलन एवं राष्ट्रीय सम्मिलन—की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य एमएसएमई तथा खादी-ग्रामोद्योग इकाइयों से लागत एवं प्रतिस्पर्धात्मकता से जुड़ी चुनौतियों पर फीडबैक प्राप्त कर उन्हें वैश्विक बाज़ार में लचीला एवं सक्षम बनाना है।
विशेषज्ञ वक्ताओं ने कच्चे माल की गुणवत्ता एवं मानकीकरण, उन्नत तकनीक का उपयोग, अन्य मंत्रालयों की योजनाओं के साथ समन्वय तथा उत्पादों

के मूल्य संवर्धन में पैकेजिंग की भूमिका जैसे विषयों पर प्रस्तुति दी। साथ ही, एक प्रतिष्ठित विदेशी निर्यातक ने खादी की वैश्विक मांग और अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में उभरते अवसरों पर अपने अनुभव साझा किए।
इंटरैक्टिव सत्रों में प्रतिभागियों द्वारा रखे गए सुझावों को संकलित कर, केवीआईसी मुख्यालय तथा भारत सरकार के एमएसएमई मंत्रालय को नीति-स्तर पर विचार हेतु भेजा जाएगा।
वर्कशॉप में विशेष रूप से उपस्थित प्रमुख वक्ताओं और गणमान्यों में सुरेश कुमार शर्मा, डीजीएम, यूटीएलबीसी, पंजाब नेशनल बैंक; राजकिरण जौहरी, डीजीएम, नाबार्ड; डॉ. एन. के. पलानीसामी, एनआईटी जालंधर; पंकज कुमार, सहायक निदेशक, टेक्सटाइल कमेटी लुधियाना; सुश्री विभा जैन, सीओईके, पंचकूला; श्रीमती रूपाली टंडन, अतिरिक्त सीईओ, एनआरएलएम, ग्रामीण विकास विभाग, पंजाब; कृष्ण कुमार, सहायक निदेशक, एमएसएमई डीएफओ लुधियाना; तथा राहुल बी. तिरपुडे, इंडियन पैकेजिंग एजेंसी, व्यापार एवं वाणिज्य विभाग (भारत सरकार) इत्यादि उपस्थित रहे।

डाक विभाग द्वारा "सुकन्या समृद्धि योजना" के अंतर्गत बेटियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए सुरक्षित निवेश का अवसर

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। भारत सरकार की "बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ" पहल के तहत डाक विभाग द्वारा संचालित सुकन्या समृद्धि योजना बालिकाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए एक सुरक्षित एवं लाभदायक निवेश का अवसर प्रदान करती है। यह योजना 22 जनवरी 2015 से देशभर के डाकघरों में लागू की गई है।
प्रवर अधीक्षक डाकघर अंबाला मण्डल, विजय कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि यह योजना विशेष रूप से बालिकाओं के भविष्य को सुरक्षित बनाने और अभिभावकों को बचत हेतु प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से शुरू की गई थी। इसमें बचत के साथ-साथ उच्च ब्याज दर और आयकर छूट की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।
उन्होंने बताया की खाता केवल बालिका के नाम से खोला जा सकता है, जिसकी आयु 10 वर्ष से कम हो।
एक परिवार में अधिकतम दो बालिकाओं के नाम पर खाते खोले जा सकते हैं। न्यूनतम 250 रुपये प्रतिवर्ष जमा करना अनिवार्य है। अधिकतम 1,50,000 प्रतिवर्ष तक जमा किया जा सकता है। ब्याज दर भारत सरकार द्वारा प्रत्येक तिमाही निर्धारित की जाती है। वर्तमान में यह लगभग 8.2 प्रतिशत प्रतिवर्ष है।खाता खोलने की तिथि से 21 वर्ष तक सक्रिय रहता है। बालिका के विवाह अथवा 21 वर्ष पूर्ण होने पर खाता बंद कराया जा सकता है। खाते में 15 वर्ष तक जमा किया जा सकता है, इसके बाद भी ब्याज मिलता रहता है। उन्होंने बताया की आयकर अधिनियम की धारा 80C के अंतर्गत जमा राशि पर कर छूट उपलब्ध है। बालिका के 18 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर उच्च शिक्षा या विवाह हेतु आंशिक निकासी की अनुमति है। विजय कुमार ने बताया कि यह खाता देश के किसी भी डाकघर शाखा में आसानी से खोला जा सकता है। इसके लिए बालिका का जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, अभिभावक का पहचान पत्र एवं पते का प्रमाण आवश्यक है।

5 दिवसीय "औषधीय रसायन में फ्लोरीनीकरण के रहस्यों की समझ" की अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला का उद्घाटन

हिन्द जनपथ
मोहाली(ब्यूरो)। नाईपर, एस.ए.एस. नगर ने ग्लोबल इनिशिएटिव ऑफ एकेडमिक नेटवर्क्स (GIAN) कार्यक्रम के अगले चरण की शुरुआत 03 से 07 नवम्बर, 2025 तक आयोजित अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला "औषधीय रसायन में फ्लोरीनीकरण के रहस्यों की समझ" के उद्घाटन के साथ की। यह कोर्स प्रो. रयान ए. ऑल्टमैन, पड्यू विश्वविद्यालय, अमेरिका द्वारा संचालित किया जा रहा है, जो एक प्रख्यात औषधीय रसायनज्ञ हैं तथा ऑर्गेनोफ्लोरीन केमिस्ट्री, ऑर्गेनोमैटलिक कैटैलिसीस और स्माल मॉलिक्यूल ड्रग डिजाईन में अपने अग्रणी योगदान के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विख्यात हैं। पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ. दीपक बी. सालुंके और डॉ. मधुरी तानाजी पाटिल (एम. सी.एम. डी.ए.वी. कॉलेज, चंडीगढ़) ने विशिष्ट अतिथियों एवं प्रतिभागियों का हार्दिक स्वागत किया तथा जीआईएएन कार्यक्रम की शैक्षणिक दृष्टि और उद्देश्यों की रूपरेखा प्रस्तुत की।कार्यक्रम में प्रो. गंगा राम चौधरी, विभागाध्यक्ष, रसायन विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, मुख्य अतिथि के रूप में तथा प्रो. गुर्जसप्रीत सिंह, स्थानीय समन्वयक, जीआईएएन, पंजाब विश्वविद्यालय, विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। सभा को संबोधित करते हुए प्रो. इंदर पाल सिंह, विभागाध्यक्ष, प्राकृतिक उत्पाद विभाग एवं एसोसिएट डीन (पूर्व छात्र एवं अंतरराष्ट्रीय मामलों), नाईपर, एस.ए.एस. नगर, ने आयोजकों की सराहना की जिन्होंने वैश्विक विशेषज्ञता और युवा वैज्ञानिक मस्तिष्कों को एक मंच पर लाने का उत्कृष्ट प्रयास किया।

डॉ. अंबेडकर मेधावी छात्र संशोधित योजना के अंतर्गत 31 जनवरी 2026 तक कर सकते हैं आवेदन - उपायुक्त

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। उपायुक्त सतपाल शर्मा ने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा डॉ. अंबेडकर मेधावी छात्र संशोधित योजना के अंतर्गत वर्ष 2025-26 के ऑनलाइन आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 31 जनवरी 2026 तक है। योजना के तहत अनुसूचित जाति एवं पिछड़े वर्ग, विमुक्त जाति, घुमंतु एवं अर्ध घुमंतू जाति तथा टपरीवास जाति के छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान करने के लिए 31 जनवरी 2026 तक आवेदन पत्र पोर्टल https://saralharyana.gov.in पर ऑनलाइन कर सकते हैं।
इस संबंध में जानकारी देते हुए जिला कल्याण अधिकारी विशाल बंसल ने बताया कि आवेदन करने वाले प्रार्थी की वार्षिक पारिवारिक आय 4 लाख रूपए से अधिक नहीं होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि इस योजना के अंतर्गत पात्र छात्र व छात्राओं का शैक्षणिक स्तर उंचा उठाने तथा उनमें प्रतिस्पर्धा की भावना उत्पन्न करने के लिए विद्यार्थियों को विभिन्न कोर्स में 8000 रुपए से 12000 रूपए तक प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाती है।
उन्होंने बताया कि इस योजना का लाभ लेने के लिए आवेदनकर्ता हरियाणा का स्थाई निवासी होना चाहिए तथा उसने अगली कक्षा में प्रवेश लिया हो और उनके परिवार की वार्षिक आय 4 लाख रूपए से कम हो। उन्होंने बताया कि पात्रता मानदंड और योजना के अन्य विवरण विभाग की वेबसाईट www.haryana-

scbc.gov.in पर देखे जा सकते हैं। किसी भी प्रकार की समस्या या जानकारी के लिए हेल्पलाइन नंबर 0172-2583378 एवं जिला कल्याण अधिकारी कार्यालय में संपर्क किया जा सकता है।
जिला कल्याण अधिकारी ने बताया कि डा. अंबेडकर मेधावी छात्र संशोधित योजना के अंतर्गत अनुसूचित जाति, विमुक्त जाति, घुमंतु, अर्ध घुमंतु जाति एवं टपरीवास जाति के 10वीं कक्षा में उतीर्ण छात्र के लिए शहरी क्षेत्र में 70 प्रतिशत अंक तथा ग्रामीण क्षेत्र में 60 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य है। कक्षा 11वीं तथा सभी डिप्लोमा/सर्टिफिकेट कोर्स के प्रथम वर्ष में पढने वाले छात्रों को 8 हजार रुपए की वार्षिक छात्रवृति प्रदान की जाएगी। इसी प्रकार कक्षा 12वीं में उत्तीर्ण छात्रों के लिए शहरी क्षेत्र में 75 प्रतिशत अंक और ग्रामीण में 70 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य है। कक्षा स्नातक के प्रथम वर्ष आर्ट्स/कार्मस/साइंस व सभी डिप्लोमा कोर्सिस में पढ़ने वाले को 8 हजार रुपए वार्षिक छात्रवृति, इंजिनियरिंग तथा अन्य तकनीकी एवं व्यवसायिक कोर्सेज के छात्रों को 9 हजार रुपए वार्षिक व मेडिकल तथा अलाईड कोर्सेज के छात्रों को 10 हजार रुपए की राशि वार्षिक छात्रवृति के रूप में प्रदान की जाएगी।
इसी प्रकार, स्नातक की परीक्षा में शहरी क्षेत्र में 65 प्रतिशत व ग्रामीण क्षेत्र में 60 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य है। स्नातकोत्तर कक्षा में पढने वाले प्रथम वर्ष आर्ट, कॉमर्स व साईंस के छात्र को 9 हजार रुपए वार्षिक छात्रवृति, इंजिनियरिंग तथा अन्य तकनीकी व्यवसायिक कोर्सेज के छात्रों को 11 हजार रुपए व मेडिकल व अलाइड कोर्सेज के छात्रों को 12 हजार रुपए की राशि वार्षिक छात्रवृति के रूप में प्रदान की जाएगी।
डॉ. अंबेडकर मेधावी छात्र योजना के अंतर्गत पिछड़ा वर्ग के छात्रों को भी लाभ देने के लिए शामिल किया गया है। पिछड़ा वर्ग ब्लाक ए के 10वीं कक्षा में उतीर्ण छात्र के लिए शहरी क्षेत्र में 70 प्रतिशत अंक तथा ग्रामीण क्षेत्र में 60 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य है। कक्षा 11वीं तथा सभी डिप्लोमा व सर्टिफिकेट कोर्सेज के प्रथम वर्ष में पढ़ने वाले छात्रों को 8 हजार रुपए की वार्षिक छात्रवृति प्रदान की जाएगी। उन्होंने बताया कि पिछड़ा वर्ग ब्लाक बी तथा अन्य वर्गों के 10वीं कक्षा में उतीर्ण छात्रों के लिए शहरी क्षेत्र में 80 प्रतिशत अंक तथा ग्रामीण क्षेत्र में 75 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य है।